भगवान भुवन भास्कर नई ऊर्जा दे
सबको समृद्धि का आशीर्वाद दे...

सूर्य षष्ठी की हार्दिक शुभकामनाएं...

दिव्य आकाश

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

छठ व्रतियों के पांव पखारने
से मिलती है समृद्धि

वर्ष -15, विशेष अंक +30 | कार्तिक शुक्ल षष्ठी विक्रम संवत 2081, कोरबा, दिनांक 07 नवंबर 2024 | पृष्ठ-12, मूल्य -रू.3/-

ॐ आदित्याय विदमहे दिवाकराय धीमहि तन्नः सूर्यः प्रचोदयात्।
ॐ भास्कराय पुत्रं देहि महातेजसे। धीमहि तन्नः सूर्यः प्रचोदयात्।

असीम ऊर्जा के श्रोत भगवान भुवन भास्कर का सत्व प्रकाश सबको स्वस्थ रखे और उनके ओज से पूरा प्रदेश में समृद्धि की नई बयार आए इन्हीं शुभकामनाओं के साथ समस्त प्रदेशवासियों को

सूर्य षष्ठी (छठ महापर्व) की अनंत शुभकामनाएं...

जय हो छठी मईया

राजबीर प्रसाद अग्रवाल
पूर्व कोषाध्यक्ष
भारतीय जनता पार्टी जिला-कोरबा

श्रीमती गायत्री देवी अग्रवाल
समाज सेविका
कोरबा, जिला-कोरबा

विकास अग्रवाल
पूर्व पार्षद, वार्ड क्र.-02 न.पा.नि. कोरबा
जिला संयोजक , भाजपा (व्यापार प्रकोष्ठ)

श्रीमती आरती अग्रवाल
पार्षद
वार्ड क्र.-02 न.पा.नि. कोरबा

मंजीत सिंह | शत्रुघन शर्मा | अरविंद गोस्वामी | जय प्रकाश शर्मा | विवेक तिवारी | रविंदर शर्मा | शंभु गिरि | तारकेश्वर तिवारी | गुड्डू गोस्वामी

समस्त सदस्यगण पूर्वांचल छठ पूजा समिति, वार्ड क्र.-02, नगर पालिक निगम कोरबा, तुलसी नगर जिला-कोरबा (छ.ग.)

सौजन्य : आर.बी. ट्रेडर्स, टी.पी. नगर, कोरबा

पुल से 20 फीट नीचे गिरी एम्बुलेंस

4 घायल, 2 की हालत गंभीर, बिलासपुर से शव छोड़कर लौटते वक्त हुआ हादसा

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कोरबा में शव छोड़कर आ रही एक एम्बुलेंस पूल से 20 फीट नीचे जा गिरी। इस हादसे में चार लोग गंभीर लोग घायल हुए हैं। इनमें दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। मामला बांगो थाना क्षेत्र के जटगा चौकी का है। जानकारी के मुताबिक बुधवार दोपहर एम्बुलेंस राजस्थान के जयपुर से एक शव लेकर बिलासपुर पहुंची थी। वापसी के दौरान एम्बुलेंस अनियंत्रित होकर एक पुल से नीचे जा गिरी। इस हादसे में एम्बुलेंस सवार चार लोग घायल हो गए। जिनमें एम्बुलेंस ड्राइवर और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। सभी को कटघोरा उप स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है।

सड़क पार करते दिखा हाथियों का दल: बेबी एलिफेंट को देख रोमांचित हुए लोग, दोनों ओर लगी वाहनों की कतार

कोरबा/कटघोरा (दिव्य आकाश)।

कोरबा जिले में कटघोरा के ग्राम मड़ई के पास दंतैल हाथियों का दल सड़क पार करते दिखा। दोनों तरफ से आवागमन रुकवाया गया।। दोपहिया से लेकर चार पहिया और भारी वाहनों के पहिए थमे रहे। इतनी संख्या में हाथियों को नजदीक से देखने का रोमांच के साथ भय का माहौल भी रहा।

लोगों ने सूझबूझ का परिचय दिया और हाथियों को छेड़छाड़ किए बगैर सड़क पार करने दिया। हालांकि, थोड़ा बहुत शोर होता रहा लेकिन सभी हाथी सीधे जंगल की ओर चले गए। झुंड में शावक समेत 31 हाथी थे।

थानीय लोगों का कहना है कि हाथियों का झुंड कई बार सड़क पार करते हुए नजर आता है। बताया जा रहा है कि इस इलाके में 61 हाथी अलग-अलग समूहों में विचरण कर रहे हैं, जो किसानों के फसलों को भी बर्बाद कर रहे हैं।

मुआवजे को लेकर किसानों ने किया था आंदोलन

कुछ दिनों पहले 70 गांव के लोगों ने मुआवजा और अन्य मांगों को लेकर आंदोलन किया था।मड़ई, बंजारी,चोंटीया, बनिया,परला,लाद,लमना,कोरबी,फुलसर, शर्मा, जलके,के अलावा कई ऐसे गांव है जो हाथियों से प्रभावित है। ग्रामीणों ने अपनी मांगों को लेकर जिला प्रशासन के समक्ष बातें रखी हैं।

जांजगीर-चांपा के आरा मिल में लगी आग: लाखों की लकड़ियां जलकर खाक, पांच घंटे बाद आग पर काबू पाया गया

जांजगीर-चांपा (दिव्य आकाश)।

जांजगीर चांपा में आरा मिल में आग लगने से लाखों की लकड़ियां जलकर खाक हो गई। मामला बलौदा थाना क्षेत्र का है। घटना बुधवार सुबह 10 बजे की है, जानकारी के मुताबिक आनन्द आरा मिल परिसर से अचानक धुआं उठते देख लोगों को आग लगने की आशंका हुई। इसके बाद मौके पर जांजगीर,NTPC, KSK और मड़वा पवार प्लांट से चार दमकल की गाड़ियां बुलाई गई। हालांकि कि तब तक आग काफी फैल चुकी थी। मिल का

दरवाजा JCB से तोड़ने के बाद दमकल की टीम ने आग पर काबू पाया । इस घटना में कोई जन हानि नहीं हुई है। आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है।

बेकाबू कार 25 फीट नीचे खाई में गिरी

कटघोरा-अंबिकापुर एनएच पर हुआ हादसा एक युवक की मौत, एक गंभीर

कोरबा/कटघोरा (दिव्य आकाश)।

कोरबा में एक कार बेकाबू होकर खाई में जा गिरी। इस हादसे में कार सवार एक युवक की मौत हो गई। मामला कटघोरा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक अम्बिकापुर के रहने वाले अंकित कुमार और उनके दोस्त विवेक चंद किसी काम से बिलासपुर गए हुए थे। मंगलवार देर शाम काम खत्म होने के बाद दोनों वापस अम्बिकापुर आ रहे थे। इसी दौरान कटघोरा-अंबिकापुर नेशनल हाईवे मदनपुर घाट के पास उनकी कार बेकाबू होकर 25 फीट नीचे खाई में जा गिरी। इसके बाद राहगीरों ने 112 पर काल कर हादसे की सूचना दी। मोरगा थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची। मेडिकल टीम पर जब तक खाई के नीचे उतरी अंकित कुमार की मौत हो गई थी। वहीं उसका दोस्त विवेक गंभीर रूप से घायल था। जिसे तत्काल इलाज के लिए कटघोरा स्थित उप स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती किया गया। घायल विवेक चंद ने बताया कि दोनों दोस्त ऑटो डील का काम करते हैं। वाहन खरीद कर अंबिकापुर वापस लौट रहे थे, इसी दौरान हादसा हो गया।

राज्योत्सव में स्टॉल लगाकर दी गयी कानूनी जानकारी

कोरबा (दिव्य आकाश)।

छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस के अवसर पर 05 नवम्बर 2024 को डॉ. भीमराव अम्बेडकर, आटोडोरियम घंटाघर कोरबा में जिला प्रशासन द्वारा आयोजित राज्योत्सव कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा के द्वारा चलाये जा रहे विधिक गतिविधियों का व्यापक प्रचार-प्रसार किये जाने के प्रयोजनार्थ सत्येन्द्र कुमार साहू, प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में विभागीय स्टॉल लगाया गया।

कु. डिम्पल सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा के द्वारा वरिष्ठ नागरिक पैरालीगल वॉलीण्टिर्स पी.एल. सोनी, भीमराव श्यामकुंवर, रमाकांत दुबे, गोपाल चन्द्रा, उपेन्द्र राठौर एवं अहमद खान की ड्यूटी 14 दिसम्बर 2024 को आयोजित होने वाले नेशनल लोक अदालत का नालसा के द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी आमजन को प्रदाय किये जाने हेतु फ्लेक्स का प्रदर्शन स्टॉल में कराया गया। भारत का संविधान अनुच्छेद 51(अ), हमर अंगना स्कीम के अंतर्गत घरेलु हिंसा अधिनियम, नि:शुल्क विधिक सेवा व विधिक सलाह, लोक अदालत एवं स्थायी लोक अदालत की उपयोगिता, धारा 125 दण्ड प्रक्रिया संहिता, महिलाओं एवं बालको से संबंधित कानूनी जानकारी, मोटर यान दुर्घटना दावा प्रकरण, नवीन मोटर यान अधिनियम, एवं चेक बाउन्स (चेकों का अनादरण) पीड़ित क्षतिपूर्ति योजना से संबंधित कानूनी जानकारी युक्त फलेक्स का प्रदर्शन किया गया। स्टॉल में आने वाले व्यक्तियों को कानूनी जानकारी से संबंधित पाम्पलेट, पुस्तिका एवं स्कूली बच्चों को सरल कानूनी पुस्तक प्रदाय किया गया।

विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा हमारा छत्तीसगढ़ : लखनलाल

कोरबा (दिव्य आकाश)।

उद्योग, वाणिज्य एवं श्रम मंत्री छत्तीसगढ़ शासन लखनलाल देवांगन ने राज्योत्सव 2024 के अवसर पर डा. भीमराव अम्बेडकर ओपन ऑडिटोरियम कोरबा में आयोजित समारोह में उपस्थित जनसमूह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कहा कि राज्य बनने के बाद छत्तीसगढ़ का तेजी से विकास हुआ है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा के क्षेत्र में गरीब, किसानों, मजदूरों, महिलाओं, छात्र-छात्राओं समेत सभी वर्ग के हित के लिए कल्याणकारी योजनाएं संचालित की है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में अनेक योजनाएं साकार रूप लेकर लोगों को लाभान्वित कर रही है। उन्होनें राज्य निर्माण में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी की भूमिका को याद करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से गांव शहर से जुड़ गया है। श्री देवांगन ने कहा कि प्रदेश में अब डबल इंजन की सरकार है। प्रधानमंत्री श्री मोदी की गारंटी को प्रदेश में पूरा किया जा रहा है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सरकार बनते ही प्रदेश में 18 लाख प्रधानमंत्री आवास हेतु राशि जारी की गई है। किसानों से 3100 रूपए प्रति क्विंटल की दर से और 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान की खरीदी की गारंटी को पूरा करते हुए सरकार ने 145 लाख मीट्रिक टन धान की रिकॉर्ड खरीदी की। प्रदेश के किसानों को दो वर्ष के बकाया बोनस के रूप में 3,716 करोड़ रूपए का भुगतान किया गया। महिलाओं को सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए महतारी वंदन योजना संचालित की जा रही है।

कार्यक्रम में उपस्थित विधायक कटघोरा प्रेमचंद पटेल ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय लगातार विकास के कार्य कर रहे हैं। वे छत्तीसगढ़ के लोगों को आगे बढ़ाने की दिशा में काम करते हुए योजनाएं बना रहे हैं। प्रदेश में गरीब, श्रमिक, किसान, महिला और युवाओं के कल्याण के लिए योजनाएं चलाई जा रहीं है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाने की दिशा में कार्य कर रहे हैं। कलेक्टर श्री वसंत ने कहा कि मुख्यमंत्री एवं मंत्री के निर्देशन में जिले में शासन की योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। अधिकारी-कर्मचारी की सहभागिता से योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कार्य किया जा रहा है। उन्होंने जिला खनिज संस्थान न्यास अंतर्गत फण्ड का सदुपयोग जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य सहित अन्य महत्वपूर्ण आवश्यकताओं हेतु खर्च करने की बात कही। इस अवसर पर सभापति श्याम सुंदर सोनी, पार्षद सुखसागर निर्मलकर, नरेंद्र देवांगन, पूर्व विधायक श्याम लाल कंवर, पूर्व महापौर जोगेश लांबा, पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी, डीएफओ अरविंद पीएम, जिला पंचायत सीईओ दिनेश कुमार नाग आदि उपस्थित थे।

दूसरे राज्यों और जिले से आने वाले अवैध धान पर रहेगी प्रशासन की पैनी नजर

धान खरीदी गतिविधियों की मॉनिटरिंग हेतु नोडल अधिकारी नियुक्त

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कलेक्टर अजीत वसंत के निर्देशन में खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 अंतर्गत धान खरीदी अवधि के दौरान धान खरीदी से संबंधित कार्यों की मॉनिटरिंग एवं पर्यवेक्षण हेतु अनुभाग स्तर पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व की नोडल अधिकारियों के रूप में नियुक्ति की गई है। जिसके अंतर्गत अनुविभाग कोरबा हेतु एसडीएम कोरबा सरोज महिलांगे, अनुविभाग कटघोरा हेतु रोहित कुमार सिंह, अनुविभाग पोड़ी-उपरोड़ा हेतु तुलाराम भारद्वाज तथा अनुविभाग पाली हेतु श्रीमती सीमा पात्रे को नोडल अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है।

अवैध धान आवक/विक्रय के पर्यवेक्षण हेतु जांच दल गठित

कलेक्टर द्वारा धान खरीदी केंद्रों में अन्य राज्यों के अवैध धान की आवक/विक्रय के रोकने के लिए एवं कोचिंयों/बिचौलियों से अवैध धान खरीदी पर सतत् निगरानी रखने हेतु धान एवं मक्का उपार्जन नीति की कंडिका 20.7 अनुसार अनुविभाग स्तर पर अधिकारियों को शामिल करते हुए जांच दल का गठन किया गया है। अनुविभाग कोरबा अंतर्गत तहसीदार कोरबा सत्यपाल प्रताप राय, तहसीलदार करतला राहुल पाण्डेय, खाद्य निरीक्षक पारण सोलंकी, खाद्य निरीक्षक कोरबा ग्रामीण रवि कुमार राज, खाद्य निरीक्षक करतला श्रीमती उर्मिला गुप्ता तथा सहायक ग्रेड-3 कृषि उपज मंडी कार्यालय कटघोरा राजेश झरिया को जांच दल में शामिल किया गया है।

इसी प्रकार अनुविभाग कटघोरा तहसीलदार कटघोरा भूषण सिंह मंडावी, तहसीलदार दीपका अमित कुमार केरकेट्टा, सहायक खाद्य अधिकारी कटघोरा मुकेश कुमार अग्रवाल, मंडी संचिव कटघोरा मदन यादव को शामिल किया गया है। अनुविभाग पोड़ी-उपरोड़ा हेतु तहसीलदार पोड़ी-उपरोड़ा विनय कुमार देवांगन, तहसीलदार पसान लीलाधर ध्रुव, सहायक खाद्य अधिकारी पोड़ी-उपरोड़ा सुश्री सरोज उरेती तथा मंडी उप निरीक्षक, कृषि उपज मंडी कार्यालय कटघोरा दिनेश पैंकरा को जांच दल में शामिल किया गया है। अनुविभाग पाली हेतु तहसीलदार पाली सूर्यप्रकाश केशकर, तहसीलदार हरदीबाजार विष्णु प्रसाद पैंकरा, खाद्य निरीक्षक पाली सुरेंद्र कुमार लांझी एवं मंडी उप निरीक्षक, कृषि उपज मंडी कार्यालय कटघोरा आकाश भारद्वाज को गठित जांच दल में सम्मिलित किया गया है। गठित जांच दल द्वारा खरीफ वर्ष 2024-25 में 14 नवंबर 2024 से 30 अप्रैल 2025 तक अन्य राज्यों से धान का आयात आयुक्त खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण की अनुमति से होना सुनिश्चित किया जाएगा। सुपर फाइन किस्म का धान जो 2800 रूपए प्रति क्विंटल से अधिक लागत का हो इसके आयात हेतु आयुक्त खाद्य की अनुमति लेना आवश्यक नहीं है। परंतु आयातक को धान आयात करने की सूचना जिला खाद्य अधिकारी/खाद्य नियंत्रक को देना होगा। मंडी अधिकारियों के द्वारा धान खरीदी प्रारंभ होने के पूर्व गांव एवं शहरी इलाकों में चिन्हर रूप से धान खरीदी करने वाले कोचियों एवं बिचौलियों का चिन्हांकन कर सूची जांच दल को उपलब्ध कराई जाए। इन कोचियों एवं बिचौलियों के द्वारा समिति में धान लाकर अन्य किसानों के पंजीयन में धान खपाने का प्रयास करने पर उनका वाहन एवं धान जप्ती कर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की जाए।

धान खरीदी में अवैध विक्रय, अवैध परिवहन, अवैध संग्रहण आदि संबंधी अनियमितता के प्रकरण दर्ज किए जाने पर उसका प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया जाए, इस प्रकार की अनियमितता गतिविधियों पर रोक लग सके। मंडी सचिव, कृषि उपज मंडी समिति कटघोरा जांच दलों से संपर्क कर की गई कार्यवाही का संकलित जानकारी जिला खाद्य कार्यालय कोरबा को प्रतिदिन शाम 05 बजे उपलब्ध कराएंगे ताकि ऑनलाइन विभागीय वेबसाइट में प्रविष्टि की जा सके।

डाटा एंट्री ऑपरेटर इधर से उधर

खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में किसानों से समर्थन मूल्य पर धान की नगद व लिकिंग खरीदी 14 नवम्बर, 2024 से 31 जनवरी, 2025 तक सहकारी समितियों के माध्यम से किया जाना है। धान खरीदी कार्य को सुव्यवस्थित एवं सुचारु रुप से संपादित करने के लिए एवं प्रशासनिक कसावट लाने हेतु व्यवस्था के तहत् डाटा एन्ट्री ऑपरेटरों को मूल उपार्जन केन्द्र से अन्य धान उपार्जन केन्द्र में स्थानांतरण कलेक्टर के अनुमोदन से किया गया है।

राज्योत्सवः छत्तीसगढ़ी गायक सुनील सोनी सहित अन्य कलाकारों की प्रस्तुति से झूमे दर्शक

कोरबा (दिव्य आकाश)।

राज्योत्सव में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति से उपस्थित हजारों दर्शक झूमे और कार्यक्रम का लुत्फ उठाया। स्थानीय कलाकारों के साथ ही छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध छत्तीसगढ़ी गायक सुनील सोनी, अंतरराष्ट्रीय कथक कलाकार सुश्री प्रीति चंद्रा, अश्विक साव द्वारा कथक, पार्थ यादव द्वारा तबला, अनीश म्यूज़िकल ग्रुप द्वारा सुगम संगीत प्रस्तुति दी गई। देर रात्रि तक छत्तीसगढ़ी गायक श्री सोनी के गीतों पर दर्शक झूमते नजर आए।

पीएम आवास योजना अंतर्गत रिक्त संविदा पदों हेतु प्रारंभिक सूची हुई जारी

13 नवंबर तक कर सकते हैं दावा आपत्ति प्रस्तुत

कोरबा (दिव्य आकाश)।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत रिक्त संविदा पद जिला समन्वयक-01, सहायक अभियंता-01, सहायक प्रोग्रामर-01, लेखापाल-01 सहायक ग्रेड 03- 01 पद तथा जनपद स्तर के विकासखण्ड समन्वयक-04 पद एवं तकनीकी सहायक-04 पद की पूर्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए थे। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्राप्त आवेदनों के परीक्षण उपरांत प्रारंभिक सूची जारी की गई है, जिसे जिले की वेबसाइट www.korba.gov.in पर देखा तथा डाउनलोड किया जा सकता है एवं जिला पंचायत के सूचना पटल पर चस्पा किया गया है।जारी प्रारंभिक सूची के संबंध में अभ्यर्थियों से दावा आपत्ति आमंत्रित किया गया है। अभ्यर्थी 13 नवंबर शाम 05 बजे तक स्वयं कार्यालय में उपस्थित होकर अथवा पंजीकृत डाक के माध्यम से दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के पश्चात् किसी भी माध्यम से प्राप्त दावा आपत्ति स्वीकार/मान्य नहीं होगा।

दिनेश कुमार नाग को मिला अपर कलेक्टर का प्रभार

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कलेक्टर अजीत वसंत द्वारा प्रशासनिक व्यवस्था के दृष्टिकोण से पूर्व में जारी आदेश में आंशिक संशोधन करते हुए आगामी आदेश पर्यन्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत (राज्य प्रशासनिक सेवा) श्री दिनेश कुमार नाग को अपने कार्यों के साथ-साथ अपर कलेक्टर कोरबा का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

आईटीआई कोरबा में 11 नवंबर को होगा अप्रेंटिसशिप मेला का आयोजन

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कोरबा औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान कोरबा में 11 नवंबर 2024 सुबह 09 बजे से अप्रेंटिसशिप मेला का आयोजन किया जाएगा। अप्रेंटिसशिप मेला में जिला अंतर्गत सभी उद्योगों, प्रतिष्ठानों एवं आई.टी.आई. उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थियों का नेशनल अप्रेंटिसशिप प्रमोशन स्कीम में पंजीयन किया जाएगा। प्राचार्य औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान कोरबा ने बताया कि अप्रेंटिसशिप मेला में जिला अंतर्गत उद्योग, प्रतिष्ठान एवं आई.टी.आई. उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थी आई.टी.आई. कोरबा में उपस्थित होकर पंजीयन करा सकते हैं।

जिला रेडक्रॉस सोसायटी कोरबा की साधारण सभा की बैठक 12 को

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कलेक्टर अजीत वसंत द्वारा नामांकित निर्वाचन अधिकारी की उपस्थिति में 12 नवंबर 2024 अपरान्ह 04 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी जिला शाखा कोरबा की प्रबंध समिति के गठन हेतु साधारण सभा की बैठक का आयोजित की गई है।

8 को ग्राम जटगा में जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन

कोरबा (दिव्य आकाश)। पाली तानाखार विधानसभा अंतर्गत ग्राम जटगा में 08 नवंबर को जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर अजीत वसंत ने जनसमस्या निवारण शिविर के माध्यम से ग्रामीणों तक शासन की योजनाओं को पहुंचाने तथा उनकी समस्या का निराकरण के निर्देश दिए हैं। शिविर में आम नागरिकों की समस्याओं को सुनने के साथ ही शासन की योजनाओं का लाभ उठाने हेतु ग्रामीणों को जानकारी दी जाएगी। कलेक्टर ने क्षेत्र के ग्रामीणों को जनसमस्या निवारण शिविर का लाभ उठाने की अपील की है।

दीपका बाजार समपार रेलवे फाटक 7 एवं 8 नवंबर को रहेगा प्रतिबंधित

कोरबा (दिव्य आकाश)। दीपका बाजार समपार रेल्वे फाटक किलोमीटर एसडीपी 11/10 से एसडीपी 11/11 में स्थित मानव सहित समपार फाटक में अति आवश्यक कार्य किए जाने के कारण 07 एवं 08 नवंबर 2024 को सुबह 10 बजे से रात्रि 10 बजे तक फाटक मार्ग में यातायात अवरूद्ध रहेगा। इस दौरान छोटे वाहन टू व्हीलर एवं फोर व्हीलर परिवर्तित मार्ग नगर पालिका समपार फाटक किलोमीटर एसडीपी 12/15 से एसडीपी 12/16 से यात्रा कर सकते हैं।

भगवान भुवन भास्कर नई ऊर्जा दे
और अपने सत्व प्रकाश से समाज का कल्याण करें।

दिव्य आकाश

सूर्य उपासना का पवित्र पर्व सूर्य षष्ठी की हार्दिक शुभकामनाएं...

छठी मईया सब को स्वस्थ रखे समृद्धि दे...

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

कार्तिक शुक्ल षष्ठी विक्रम संवत 2081, कोरबा, दिनांक 07 नवंबर 2024

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग: कोहली 10 साल बाद टॉप-20 से बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आईसीसीस टेस्ट बैटर्स रैंकिंग में भारत के विराट कोहली टॉप-20 और रोहित शर्मा टॉप-25 से बाहर हो गए हैं। बुधवार को जारी हुई लेटेस्ट रैंकिंग में ऋषभ पंत और शुभमन गिल को फायदा हुआ। वहीं बॉलर्स रैंकिंग में रविचंद्रन अश्विन पांचवें नंबर पर पहुंच गए। टेस्ट टीम रैंकिंग में न्यूजीलैंड एक स्थान की छलांग लगाकर 5वें नंबर पर पहुंच गया। टीम ने श्रीलंका को पीछे धकेला। ऑस्ट्रेलिया पहले और भारत दूसरे नंबर पर मौजूद है। रवींद्र जडेजा ऑलराउंडर की लिस्ट में टॉप पर बने हुए हैं। दूसरे नंबर पर आर. अश्विन हैं।

विराट 22वें नंबर पर

बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में विराट कोहली एक ही फिफ्टी लगा सके। उन्होंने 10 पारियों में 21.33 की औसत से 192 रन बनाए। लगातार 5 टेस्ट में कमजोर प्रदर्शन के कारण विराट को 8 स्थान का नुकसान हुआ और वह 22वें नंबर पर पहुंच गए। विराट 10 साल बाद टॉप-20 टेस्ट रैंकिंग से बाहर हुए, आखिरी बार 2014 में वह इंग्लैंड के खिलाफ खराब परफॉर्मेंस के कारण टॉप-20 से बाहर हुए थे। उसी साल उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में 4 सेंचुरी लगाकर टॉप-10 में वापसी की थी। भारत अब 22 नवंबर से फिर एक बार ऑस्ट्रेलिया दौरे पर ही जा रहा है।

छत्तीसगढ़ देश के लिए एक मिसाल-धनखड़

रायपुर।

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित तीन दिवसीय राज्योत्सव के समापन तथा राज्य अलंकरण समारोह के अवसर पर मुख्य अतिथि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिए सबकी भागीदारी की जरूरत है। इसमें छत्तीसगढ़ का योगदान बढ़चढ़कर होगा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ देश के लिए एक मिसाल, यहां मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में विकास के नये कीर्तिमान बन रहे हैं। इस मौके पर उन्होंने राज्य अलंकरण से सम्मानित सभी विभूतियों को बधाई देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के 36 सम्मान, जिन्हें देखकर मुझे ऊर्जा मिली है। उपराष्ट्रपति ने आगे कहा कि जब शताब्दी ने पलटी खाई तो छत्तीसगढ़ का उदय हुआ, ये यात्रा यहां तक आ गई है। इसके लिए बहुत शुभकामनाएं देता हूँ, छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया, पुरानी कहावत है आज भी कानों में गूंजती है। आप सभी इस कहावत को चरितार्थ कर रहे हैं। इस समारोह में आकर मेरा मन गौरव से भर गया है।

ट्रम्प को बहुमत मिला फिर राष्ट्रपति बनेंगे

दूसरे विश्वयुद्ध के बाद पहले राष्ट्रपति जो हारकर फिर जीते, कमला कड़ी टक्कर के बाद भी हारीं

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

डोनाल्ड ट्रम्प फिर से अमेरिका के राष्ट्रपति चुने गए हैं। उन्हें 50 राज्यों की 538 में से 277 सीटें मिली हैं, बहुमत के लिए 270 सीटें जरूरी होती हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी की कैंडिडेट कमला हैरिस कड़ी टक्कर देने के बावजूद 224 सीटें ही जीत पाईं।

ट्रम्प 2016 में पहली बार राष्ट्रपति बने थे और 2020 में जो बाइडेन से हार गए थे। ताजा नतीजों के बाद ट्रम्प दूसरे विश्व युद्ध के बाद पहले राजनेता हैं, जो 4 साल के गैप के बाद दोबारा राष्ट्रपति बनेंगे। वहीं, अमेरिकी इतिहास में ट्रम्प पहले लीडर हैं जिन्होंने राष्ट्रपति चुनाव में दो बार महिला उम्मीदवारों को हराया है। अमेरिका में ऐसा सिर्फ दो बार 2016 और 2024 में हुआ है जब वहां महिला राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार बनी थीं।

ऊपरी और ताकतवर सदन सीनेट में ट्रम्प की पार्टी को बहुमत

अमेरिका में राष्ट्रपति पद के साथ संसद के दोनों सदन सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव के भी चुनाव हुए हैं। सीनेट संसद का ऊपरी सदन है। इसकी 100 सीटों में हर राज्य के लिए 2 सीटों की हिस्सेदारी है। इसकी एक तिहाई सीटों पर हर 2 साल में चुनाव होते हैं। इस बार सीनेट की 34 सीटों पर चुनाव हुए। ताजा नतीजों के साथ रिपब्लिकन पार्टी ने 52 सीटें हासिल कर ली हैं, जो बहुमत के बराबर हैं। इससे पहले उसके पास 49 सीटें थीं। अमेरिका में उच्च सदन यानी सीनेट ज्यादा ताकतवर है, क्योंकि इसे महाभियोग और विदेशी समझौतों जैसे अहम मसलों को मंजूर या नामंजूर करने का अधिकार होता है। इसके सदस्य सीनेटर कहलाते हैं, जो 6 साल के लिए चुने जाते हैं, जबकि हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव में मेंबर सिर्फ दो साल के लिए चुने जाते हैं।

निचले सदन में भी बहुमत के करीब पहुंच रही ट्रम्प की पार्टी

रिपब्लिकन पार्टी हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव में बहुमत के करीब है। इसकी 435 सीटों के लिए हर 2 साल में चुनाव होते हैं। बहुमत के लिए 218 सीटें जरूरी होती हैं। रिपब्लिकन पार्टी 197 और डेमोक्रेटिक पार्टी 177 सीटें हासिल कर चुकी है।

समस्त प्रदेशवासियों को दीपावली, सूर्यषष्ठी एवं
देव उठनी एकादशी पर स्वस्थ एवं समृद्ध जीवन
की अशेष शुभकामनाएं...

लक्ष्मण डिक्सेना सपरिवार दीपावली मनाते हुए....

लक्ष्मण डिक्सेना
पूर्व विधायक प्रतिनिधि - पाली तानाखार विधानसभा क्षेत्र
अध्यक्ष - शाला प्रबंध समिति लखनपुर
अध्यक्ष - वन समिति लखनपुर, जिला-कोरबा

छत्तीसगढ राज्योत्सवः उप राष्ट्रपति धनखड़ ने छत्तीसगढ़ के 36 अलंकरण से विभूतियों एवं संस्थाओं को किया सम्मानित

रायपुर।

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को छत्तीसगढ़ राज्योत्सव के राज्य अलंकरण समारोह में छत्तीसगढ़ के 36 अलंकरण से विभिन्न क्षेत्रों से उत्कृष्ट योगदान देने वाले 37 विभूतियों एवं 4 संस्थाओं को सम्मानित किया। राज्यपाल रमेन डेका ने समारोह की अध्यक्षता की। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह उपस्थित रहे।

राजधानी नवा रायपुर में राज्योत्सव के तीसरे दिन राज्य की महान विभूतियों के नाम से अलंकरण प्रदान करने समारोह का आयोजन किया गया। राज्य अलंकरण समारोह में उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा आदिवासी पिछड़ा वर्ग के उत्थान के लिए शहीद वीरनारायण सिंह पुरस्कार बुटलू राम माथरा को प्रदान किया। इसी प्रकार सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा दिया जाने वाला अहिंसा एवं गौ-रक्षा के क्षेत्र में यति यतनलाल सम्मान मनोहर गौशाला खैरागढ़, खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए गुण्डाधूर सम्मान सुश्री छोटी मेहरा, खेल (तीरंदाजी) के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए महाराजा प्रवीरचंद भंजदेव सम्मान विकास कुमार को प्रदान किया गया। इसी प्रकार महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा महिला उत्थान के क्षेत्र में मिनीमाता सम्मान के लिए सतनामी महिला समिति कोहका जिला दुर्ग को, महिलाओं में वीरता, शौर्य, साहस तथा आत्मबल को सशक्त बनाने के लिए वीरांगना रानी अवंतिबाई लोधी स्मृति पुरस्कार श्रीमती अदिती कश्यप और महिलाओं के उत्पीड़न के खिलाफ संघर्ष, नारी उत्थान के लिए माता बहादुर कलारिन सम्मान कुमारी चित्ररेखा सिन्हा, आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा सामाजिक चेतना और दलित उत्थान के क्षेत्र में गुरू घासीदास सम्मान राजेन्द्र रंगीला (गिलहरे), सहकारिता विभाग द्वारा सहकारिता के क्षेत्र में ठाकुर प्यारेलाल सम्मान शशिकांत द्विवेदी को प्रदान किया गया।

सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए पंडित रविशंकर शुक्ल सम्मान अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम जशपुरनगर, जिला जशपुर, संस्कृति विभाग द्वारा हिन्दी साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए पंडित सुन्दरलाल शर्मा सम्मान डॉ. सत्यभामा आडिल, संस्कृति विभाग द्वारा संगीत एवं कला के क्षेत्र में चक्रधर सम्मान पं. सुधाकर रामभाऊ शेवलीकर को प्रदान उप राष्ट्रपति धनखड़ ने प्रदान किया। संस्कृति विभाग द्वारा लोककला एवं शिल्प के क्षेत्र में दिया जाने वाला दाऊ मंदराजी सम्मान पंडीराम मंडावी को प्रदान किया गया। संस्कृति विभाग द्वारा ही छत्तीसगढ़ी लोकगीत के लिए लक्ष्मण मस्तुरिया सम्मान श्रीमती निर्मला ठाकुर (बेलचंदन) और छत्तीसगढ़ी लोक संगीत के लिए खुमान साव सम्मान दुष्यंत कुमार हरमुख, कृषि विभाग द्वारा कृषि के क्षेत्र में डॉ. खूबचंद बघेल सम्मान संयुक्त रूप से शिवकुमार चंद्रवंशी और खेमराज पटेल को प्रदान किया गया। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा सामाजिक समरसता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए महाराजा अग्रसेन सम्मान सियाराम अग्रवाल, समाज कल्याण विभाग द्वारा दानशीलता, सौहार्द्र एवं अनुकरणीय सहायता के क्षेत्र में दानवीर भामाशाह सम्मान सुभाष चंद अग्रवाल, मत्स्य विभाग द्वारा मछली पालन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए श्रीमती बिलासाबाई केंवटीन मत्स्य विकास पुरस्कार विनोद दास को उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने प्रदान किया।

आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा आदिवासियों की सेवा और उत्थान के क्षेत्र में दिया जाने वाला भंवर सिंह पोर्ते सम्मान छत्तीसगढ़ आदिवासी कल्याण संस्थान अनुपम नगर रायपुर को प्रदान किया गया। श्रम विभाग द्वारा श्रम के क्षेत्र में महाराजा रामानुज प्रताप सिंहदेव पुरस्कार संयुक्त रूप से सुरेन्द्र कुमार राठौर, शोभा सिंह एवं श्री ललित कुमार नायक को प्रदान किया गया। गृह (पुलिस) विभाग द्वारा अपराध अनुसंधान क्षेत्र में पंडित लखन लाल मिश्र सम्मान रामनरेयश यादव, ग्रामोद्योग विभाग द्वारा बुनकर क्षेत्र में बिसाहूदास महंत पुरस्कार संयुक्त रूप से पन्नालाल देवांगन और

शेष पृष्ठ-07 पर

भगवान भुवन भास्कर का ओज समस्त प्रदेशवासियों को समृद्ध एवं स्वस्थ बनाए,
इन्हीं शुभकामनाओं के साथ छठ पर्व की अनंत शुभकामनाएं...

ऊँ ऐही सूर्यदेव सहस्त्रांशो तेजो राशि जगत्पते
अनुकम्पय मां भक्त्या गृहणार्घ्यं दिवाकरः

अशोक दुबे - श्रीमती नीलिमा दुबे
वरिष्ठ पत्रकार - कटघोरा, जिला-कोरबा (छ.ग.)

कार्यालय पता : एफ.-5, नेहरू काम्पलेक्स, रेलवे फाटक के पास
ट्रांसपोर्ट नगर, कोरबा, मो.: 98271 82982

सुविचार

सूरज की तरह चमकना चाहते हैं, तो सूरज की तरह पहले जलना सीखें...। अब्दुल कलाम

चिंतन

भाजपा के सुशासन में अपराध और महंगाई अनकंट्रोल्ड

भाजपा के सुशासन में महंगाई और अपराध अनकंट्रोल्ड हो चले है। उधर महंगाई और अपराध को लेकर कांग्रेस सीएम विष्णुदेव साय और गृहमंत्री विजय शर्मा का इस्तीफा मांग रहे हैं, तो दूसरी ओर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव सिंह ने छत्तीसगढ़ में अशांति फैलाने के लिए कांग्रेस पर साजिश का आरोप लगाया है। कवर्धा में बवाल मचने के बाद राजधानी सहित कई जिलों में अपराध अनियंत्रित हो चला है और आये दिन अपराध का ग्राफ छत्तीसगढ़ में बढ़ता ही जा रहा है। रायपुर में सेंट्रल जेल के सामने ही हिस्ट्रीशीटर पर गोली चलाई गई। आये दिन चाकूबाजी आम हो चली है। जहां देखों अपराध घट रहे हैं। लोगों को उम्मीद थी कि विष्णु का सुशासन आने के बाद अपराधियों में पुलिस के प्रति खौफ बढ़ेगा, लेकिन ऐसा होता दिख नहीं रहा है। कांग्रेस कार्यकाल की कार्यशैली अभी तक अधिकारियों में सुधरी नहीं और सिस्टम भर्राशाही से ही आगे बड़ रही है। दीपक बैज ने प्रेस कांफ्रेंस लेकर विष्णु देव साय सरकार को फेलवर घोषित कर दिया और सीएम एवं एचएम का इस्तीफा मांगा। इसके बाद जवाब देने के लिए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव सिंह का बयान आया और कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कांग्रेस पर प्रदेश में अशांति फैलाने का आरोप लगाया और कहा कि प्रदेश में जितने भी अपराध घट रहे हैं, उसमें कांग्रेसियों की संलिप्ता उजागर हुई है। दूसरी ओर देखें तो महंगाई भी अनकंट्रोल्ड हो चली है। एक तरफ महतारी वंदन योजना को लेकर भाजपा अपनी पीठ थपथपा रही है, तो दूसरी ओर महंगाई से महिलाओं की रसोई का बजट बिगड़ गया है और महतारी वंदन योजना से आने वाली 1000 की राशि महंगाई के सामने राई साबित हो रही है।

संपादक

विशेष : सूर्य षष्ठी 7 नवंबर को

छठी मैय्या जीवंत देवी

आज यूपी, बिहार सहित पूर्वांचल क्षेत्र की सीमा लांघकर छठ पूजा ने विशाल रूप ले लिया है और पूरे देश में इस महा पर्व को मनाया जा रहा है। सूर्य षष्ठी को विशेष रूप से सूर्य उपासना का पर्व कहा जाता है और भगवान भूवन भास्कर एक जीवंत देवता के रूप में पूजे जाते हैं। छठी मैय्या को सूर्य की बहन माना गया है और इस दिन भगवान भुवन भास्कर को ही व्रती अर्ध्य देकर अपनी मनोकामना पूर्ण करते हैं। व्रती मुख्य रूप से संतान प्राप्ति की मनोकामना को लेकर सूर्य षष्ठी की उपासना करते हैं, ताकि संतान की प्राप्ति हो और संतान संस्कारवान, खुशहाल और दीर्घायु रहे। सूर्य षष्ठी की उपासना एक कड़ा व्रत है और निर्जला उपवास रखकर इसे पूर्ण किया जाता है। 5 नवंबर को नहाये खाये, 6 नवंबर को खरना की रस्म पूरी कर आज 7 नवंबर को डूबते सूरज को व्रती और पूर्वांचलवासी अर्ध्य देंगे और कल 8 नवंबर को उगते सूरज को अर्ध्य देने के साथ प्रसाद का वितरण होगा। सूर्य षष्ठी का पर्व अब सभी हिंदू धर्म के लोग मानने लगे हैं, और यह एक जीवंत देवता होने के कारण इसका विस्तार हुआ है।

डॉ गजेन्द्र तिवारी
शिक्षाविद
पाली जिला कोरबा
मो.: 94241-50282

सुशासन से छत्तीसगढ़ ने पकड़ी विकास की रफ्तार

छत्तीसगढ़ 24 वर्ष का हो गया। युवा छत्तीसगढ़ पिछले 10 महीने के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सुशासन की सरकार में तेजी से प्रगति के पथ पर अग्रसर हो चला है। सड़कों, रेल लाइनों समेत अधोसंरचना के क्षेत्र में राज्य ने बीते 24 वर्षों में निरंतर प्रगति की है। रायपुर एयरपोर्ट देश के तमाम बड़े शहरों से जुड़ गया है। जगदलपुर, बिलासपुर और अंबिकापुर में हवाई सेवाएं प्रारंभ हो चुकी हैं। बस्तर और सरगुजा के आदिवासी बहुल क्षेत्रों तक सड़कों का जाल बिछ चुका है।

राजधानी रायपुर के रेलवे स्टेशन का देश के आधुनिकतम रेलवे स्टेशनों में शुमार होने लगा है। गांव-गांव तक बिजली, पानी, स्कूल, अस्पताल जैसी बुनियादी सुविधाएं पहुंचाई जा चुकी हैं। राजधानी रायपुर शिक्षा का बड़ा केंद्र बनकर उभरा है। बस्तर में एनएमडीसी का स्टील प्लांट प्रारंभ हो चुका है। राज्य की कला, संस्कृति, वनोपज, हस्तशिल्प आदि की अंतरराष्ट्रीय पहचान बन चुकी है।

आज से 24 साल पहले जब राज्य बना था, तब से लेकर साल भर पहले तक नक्सलवाद छत्तीसगढ़ की बड़ी समस्या थी। विष्णु देव साय की सरकार की कुशल रणनीति और प्रभावी कार्रवाई के चलते अब राज्य में नक्सल समस्या समाप्त होने की कगार पर पहुंच गई है। 13 दिसंबर को मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के साथ ही विष्णु सरकार ने जनहित में फैसले लेने और उसे अमल में लाने को लेकर एक्शन में आ गई थी। सरकार गठन के अगले ही दिन कैबिनेट की बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी के अनुरूप 18,12,743 जरूरतमंद परिवारों को प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति दी। राज्य के 13 लाख किसानों को दो साल के धान का बकाया बोनस पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्मदिवस, सुशासन दिवस के अवसर 25 दिसंबर 2023 को 3176 करोड़ रुपये जारी किया। मोदी की एक और गारंटी को पूरा करते हुए सरकार ने प्रति एकड़ 21 क्विंटल के मान से 3100 रुपये के दाम पर धान की खरीदी की। 25 लाख 75 हजार किसानों को धान का समर्थन मूल्य 32 हजार करोड़ रुपया तत्काल जारी किया और 12 जनवरी 2024 को 13,320 करोड़ रुपये की अंतर राशि का भुगतान भी कर दिया। खरीफ वर्ष 2023-24 में किसानों से रिकार्ड 145 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी विष्णु देव साय की सरकार ने की। राज्य में तेंदूपत्ता संग्रहण की दर 4000 रुपये से बढ़ाकर 5500 रुपये की गई है। 12 लाख 50 हजार तेंदूपत्ता संग्राहकों को इसका लाभ मिल रहा है। संग्राहकों को चरण पादुका वितरित करने की योजना भी लागू होने जा रही है। विष्णु सरकार ने भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए अंत्योदय के लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित कर रखा है। प्रशासन में पारदर्शिता, आम जनता की सुनवाई, नारी, गरीब, किसान, युवा के लिए अवसरों के द्वार खोलने का काम इस सरकार ने किया है।

महतारी वंदन योजना

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी के अनुरूप राज्य की 70 लाख से अधिक महिलाओं के बैंक खातों में प्रति माह 1000 रुपये अंतरित किए जा रहे हैं। 10 मार्च 2024 को प्रधानमंत्री मोदी की वर्चुअल उपस्थिति में महतारी वंदन योजना का शुभारंभ किया गया था। इस योजना की 9 वीं किश्त हाल में यहां पहुंचीं राष्ट्रपति महामहिम द्रौपदी मुर्मु ने जारी की। महिलाओं की उन्नति के लिए सरकार कई कार्यक्रम चला रही है। कांग्रेस की सरकार ने महिला समूहों से रेडी टू ईट का काम छीन लिया था। मुख्यमंत्री ने उन्हें दोबारा यह काम सौंप दिया है।

युवाओं की हितैषी सरकार

नई दिल्ली के ट्राइबल यूथ हॉस्टल में सीटों की संख्या 50 से बढ़कार 185 कही गई है। यूपीएससी की तैयारी करने वाले एससी, एसटी, ओबीसी वर्ग के युवाओं को इसका लाभ मिल रहा है। पुलिस विभाग सहित अन्य शासकीय विभागों में भर्ती की अधिकतम आयु सीमा में 31 दिसंबर 2028 तक 05 वर्ष की छूट का एलान किया गया है। राज्य में विभिन्न विभागों में 7 हजार से अधिक पदों पर भर्ती की जा रही है।

पीएससी घोटाले की जांच सीबीआई को सौंप दी गई है। यूपीएससी की तर्ज पर पीएससी परीक्षा को पारदर्शी बनाने के लिए यूपीएससी के पूर्व चेयरमेन प्रदीप कुमार जोशी की अध्यक्षता में आयोग का गठन किया गया है। उद्यम क्रांति योजना के तहत युवाओं को स्वरोजगार के लिए 50 प्रतिशत सब्सिडी पर ब्याज मुक्त ऋण देने की व्यवस्था की गई है। आलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले राज्य के युवाओं को सरकार तीन करोड़ रुपये देगी। रजत जीतने पर दो करोड़ तथा कांस्य पदक विजेता को एक करोड़ रुपये मिलेंगे।

सुशासन का मूलमंत्र

राज्य सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों के सफल क्रियान्वयन के लिए सुशासन एवं अभिसरण विभाग का गठन किया गया है। ई समीक्षा, ई लोकसेवा गारंटी तथा डिजिटल सेक्रेटेरिएट अब सुशासन एवं अभिसरण विभाग के जिम्मे होगा। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिन 25 दिसंबर 2023, सुशासन दिवस के अवसर पर अटल मॉनीटरिंग पोर्टल का शूभारंभ किया गया। आम जनता से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए मुख्यमंत्री ने जनदर्शन कार्यक्रम प्रारंभ किया है। ई गवर्नेंस को बढ़ावा देने के लिए ई आफिस प्रणाली, मुख्यमंत्री कार्यालय ऑनलाइन पोर्टल तथा स्वागतम पोर्टल का शुभारंभ किया गया है। भ्रष्टाचार को रोकने के लिए अधिकाधिक क्षेत्रों में आईटी का उपयोग किया जा रहा है।

गरीबों की मददगार सरकार

विष्णु देव साय की सरकार ने गरीब जनता की मदद के लिए कई कार्यक्रम शुरू किए हैं। 68 लाख गरीब परिवारों को अगले 5 साल तक मुफ्त राशन देने के लिए बजट में 3400 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। ग्रामीण घरों को नल से पानी देने के लिए जल जीवन मिशन के तहत 4500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। अब तक 40 लाख परिवारों को नल का कनेक्शन दिया जा चुका है। दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर योजना के तहत गरीब परिवारों को प्रतिवर्ष 10 हजार रुपये की सहायता देने के लिए बजट में 500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

औद्योगिक विकास की पहल

राज्य में नई औद्योगिक विकास नीति 2024-2030 एक नवम्बर से लागू हो गई है। राज्य में उद्योगों को बढ़ावा एवं विस्तार देने के लिए नई औद्योगिक नीति में कई रियायती प्रावधान किए गए है। उद्योग विभाग के सिंगल विंडो सिस्टम 2.0 लागू किया गया है। इस पोर्टल पर एक बार आवेदन करने पर सभी विभागों से क्लीयरेंस मिलेगा। नया रायपुर को आईटी का हब बनाने का काम प्रारंभ किया गया है। दो आईटी कंपनियों से एमओयू किया गया है तथा उन्हें फर्निश्ड बिल्डअप एरिया भी उपलब्ध करा दिया गया है। इन्वेस्ट छत्तीसगढ़ के आयोजन के लिए 5 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। राज्य में आर्थिक विकास की गति बढ़ाने के लिए विशेषज्ञ संस्थाओं से परामर्श करने तथा देश और दुनिया में चल रहे बेस्ट प्रेक्टिसेस को राज्य में लागू करने के लिए छत्तीसगढ़ आर्थिक सलाहकार परिषद का गठन प्रस्तावित है। कोरबा, बिलासपुर इंडस्ट्रियल कॉरीडोर का निर्माण किया जा रहा है।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में विकास

एमबीबीएस की पढ़ाई अब हिंदी माध्यम से भी होगी। स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार के लिए आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के साथ ही शहीद वीरनारायण सिंह स्वास्थ्य योजना शुरू की गई है। राज्य के दो बड़े मेडिकल कालेज अस्पतालों, छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस बिलासपुर और मेडिकल कालेज अस्पताल रायपुर के भवन व सुविधाओं के विस्तार का काम शुरू किया गया है।

शिक्षा का कायाकल्प

राज्य में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 लागू कर दी गई है। पीएम श्री योजना में प्रदेश के 341 स्कूलों को शामिल किया गया है। इस योजना के तहत स्कूलों में बेहतर अधोसंरचना के साथ किचन गार्डन, एआई, रोबोटिक्स, आईसीटी लैब की सुविधा के साथ ग्रीन स्कूल विकसित किए जा रहे हैं। जशपुर, बस्तर, कबीरधाम, रायपुर और रायगढ़ में आईआईटी की तर्ज पर प्रौद्योगिकी संस्थानों का निर्माण किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ी, सरगुजिहा, हल्बी, सादरी, गोंडी और कुडुख समेत 18 स्थानीय भाषा बोली में नई शिक्षा नीति के तहत प्रारंभिक शिक्षा प्रदान की जा रही है। स्कूलों में न्यौता भोज की अभिनव पहल की गई है। स्कूली बच्चों के प्रदर्शन पर नजर रखने के लिए रायपुर में विद्या समीक्षा केंद्र स्थापित किया गया है। सॉफ्टवेयर एवं मोबाइल एप का विकास तथा काल सेंटर के माध्यम से निगरानी आईआईटी भिलाई के सहयोग से की जा रही है। राज्य में छत्तीसगढ़ उच्च शिक्षा मिशन की स्थापना की जाएगी। राजधानी के नालंदा परिसर की तर्ज पर प्रदेश के 13 नगरीय निकायों में लाइब्रेरी निर्माण का प्रस्ताव। 160 आईटीआई का मॉडल आईटीआई के रूप में उन्नयन किया जा रहा है।

अधोसंरचना विकास

कटघोरा-डोंगरगढ़ रेललाइन के विकास के लिए 300 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। खरसिया-नया रायपुर-परमलकसा, रावघाट-जगदलपुर, अंबिकापुर-बरवाडीह, धरमजयगढ़-पत्थलगांव-लोहारदगा रेल परियोजनाओं का डीपीआर तैयार किया जा रहा है। राज्य में सड़कों के विकास के लिए केंद्र सरकार ने 11 हजार करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र की तर्ज पर छत्तीसगढ़ राज्य राजधानी क्षेत्र तथा संबंधित प्राधिकरण की स्थापना की जा रही है।

भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस

साय सरकार ने विदेशी मदिरा के थोक विक्रय व भंडारण के लिए प्रचलित एफएल 10 एबी लाइसेंस की व्यवस्था समाप्त कर विनिर्माताओं से सीधे थोक क्रय करने का निर्णय लिया है। विदेशी मदिरा के क्रय की जिम्मेदारी छत्तीसगढ़ ब्रेवरेज कार्पोरेशन को दी गई है। खनिजों के परिवहन में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए साय सरकार ने ऑनलाइन ट्रांजिट पास की व्यवस्था पुन: प्रारंभ की है।

राज्योत्सव में छत्तीसगढ़िया संस्कृति की झलक

प्रदेश स्तरीय राजधानी रायपुर के नवा रायपुर में आयोजित 03 दिवसीय राज्योत्सव में शुभारंभ अवसर पर छत्तीसगढ़ के कलाकारों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुति दी। कलाकारों ने छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति के विरासत को आगे बढ़ाने गायन एवं नृत्य-नाटिका के माध्यम से पूरे देशवासियों को बताया। यहां के विकास और सौंदर्य को भी राज्योत्सव में उकेरा गया।

संस्कृति-परंपरा, धर्म

राज्य में श्री रामलला अयोध्या धाम दर्शन योजना संचालित की जा रही है। राज्य के पांच शक्तिपीठों के विकास के लिए बजट में 5 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। राजिम मेले का आयोजन राजिम कुंभ कल्प के रूप में किया गया। हर संभाग में एक-एक गौ अभयारण्य की स्थापना का निर्णय। राज्य के आदिवासी क्षेत्रों और अयोध्या धाम तक सीधी कनेक्टिविटी बढ़ाने की साय सरकार की पहल को भारत सरकार की हरी झंडी। बस्तर में प्रचीनकाल से चले आ रहे अनेक एतिहासिक मेलों को सरकारी संरक्षण और सहायता दी जा रही है।

नक्सल समस्या पर अंकुश

साय के सुशासन में राज्य नक्सल समस्या से मुक्त होने की ओर अग्रसर है। सरकार ने बस्तर अंचल में सुरक्षा बल के 34 कैंप स्थापित किए है। अभी 30 नए कैंप और स्थापित करने की योजना है। राज्य स्तर पर एनआईए की तर्ज पर एसआईए का गठन किया गया है। माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में नए कैंपों के आसपास के 5 किलोमीटर के दायरे में नियद नेल्ला नार यानी आपका अच्छा गांव योजना चलाई जा रही है। इसके तहत 17 विभागों की 53 कल्याणकारी योजनाओं और 28 सामुदायिक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। 100 किमी मार्ग तथा 2 पुल और 52 पुलिया का निर्माण इन क्षेत्रों में किया गया है। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सरकारी स्कूलों में कौशल शिक्षा को एकीकृत करने की शुरूआत की गई है। 29 बंद स्कूलों को दोबारा खोला गया। माओवादी आंतक प्रभावित जिलों के विद्यार्थियों को तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा के लिए ब्याज रहित ऋण, अन्य जिलों के विद्यार्थियों को 1 प्रतिशत ब्याज पर ऋण देने का प्रावधान सरकार ने किया है।

जनता से सरोकार

साय सरकार ने जनदर्शन कार्यक्रम की शुरूआत करने के साथ ही भूमि-मकान के पंजीयन पर ऑनलाइन पेमेंट की सुविधा शुरू की गई है। भूमि संबंधी विवादों के निराकरण के लिए जिओ रिफ्रेंसिंग तकनीक को अपनाया गया है। बस्तर, सरगुजा, मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास, अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण तथा छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग विकास प्राधिकरणों का पुनर्गठन किया गया है। पर्यावरण संरक्षण के लिए एक पेड़ माँ के नाम मुहिम की शुरूआत की गई है।

जनसंपर्क छत्तीसगढ़

सबसे पहले
लाइफ इंश्योरेंस

जीवन के साथ भी
जीवन के बाद भी...

एलआईसी का
जीवन उत्सव

उत्सव
मनाने का
गारंटीड तरीका

Plan No.: 871 UIN: 512N363V01

आजीवन गारंटीड रिटर्न
के साथ

ऑनलाइन भी उपलब्ध

पूर्ण आयु जीवन बीमा एवं लाभ भुगतान के विकल्प

- सीमित प्रीमियम भुगतान अवधि 5 से 16 वर्ष
- प्रीमियम भुगतान अवधि के दौरान गारंटीकृत वृद्धि
- नियमित आय लाभ / फ्लेक्सी आय लाभ
- न्यूनतम मूल बीमा राशि 5 लाख

एक नॉन-लिंक्ड, नॉन-पार्टिसिपेटिंग, व्यक्तिगत, बचत, पूर्ण आयु जीवन बीमा योजना

एलआईसी है तो कहीं
और क्यों जाना...

सभी नई पॉलिसियों की अधिक जानकारी के लिए आज ही संपर्क करें-

सालिक राम राजवाड़े
(बीमा अभिकर्ता)
वेदांत बीमा सेवा केंद्र
कार्यालय : प्रेस क्लब तिलक भवन के सामने, रिकाण्डो रोड टी.पी. नगर कोरबा
निवास : सत्यनारायण मंदिर के पास, पोड़ी बहार कोरबा, मो.नं.-90987-52955

LIC
भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

हर पल आपके साथ

तुलसी नगर छठ घाट में नया करने का जज्बा: भव्य पंडाल में भगवान राम की होगी पूजा अर्चना, छठ पूजा में भगवान भुवन भास्कर एवं छठी मैय्या की होगी महाआरती

आज डूबते सूर्य को अर्ध्य देंगे व्रती और ऊपर दिए चित्र की तरह सुज्जित पंडाल में भगवान राम की होगी आरती

कोरबा। (दिव्य आकाश)।

05 नवंबर को नहाय-खाय के साथ पूर्वांचल वासियों का चार दिवसीय छठ महापर्व प्रारंभ हो गया और बुधवार को खरना की रस्म पूरी की गई। आज संध्या डूबते सूरज को व्रती अर्ध्य देंगे और 08 नवंबर को उगते सूरज को अर्ध्य देने के साथ छठ महा पर्व संपन्न होगा।

कोरबा सहित कस्बाई क्षेत्रों दीपका, कुसमुंडा, बांकीमोंगरा, हरदीबाजार, बालको, छुरीकला, कटघोरा, दर्री आदि क्षेत्रों में भी छठ महापर्व के तीसरे दिन घाटों पर अभूतपूर्व नजारा देखने को मिलेगा। कोरबा नगर पालिक निगम क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 02 साकेत नगर के तुलसी नगर छठ घाट में हर साल नया करने का जज्बा पूर्वांचल समिति का रहता है। पिछले छठ महापर्व में गंगा आरती का आयोजन कर पूरे शहर में सबसे भव्य कार्यक्रम संपन्न हुआ था और हजारों की भीड़ ने यह भव्य नजारा देख कर आत्म विभोर हुए थे।

इस साल गंगा आरती के स्थान पर भगवान राम की अयोध्या में बनी मूर्ति जैसी आकृति से भव्य पंडाल बनाया गया है, जहां पर भगवान सूर्य देव को अगल-बगल दिखाया गया है और बीच में भगवान राम विराजमान हैं। संध्या गोधूली बेला पर भगवान भुवन भास्कर और छठी मैय्या को संध्या अरघ देने के साथ ही भगवान राम की महा आरती की जाएगी।

भव्यता:तुलसी नगर स्थित पूरे छठ घाट को बनाया गया मंडप

तुलसी नगर छठ घाट की भव्यता हर साल बढ़ रही है। पूर्वांचल विकास समिति तुलसी नगर की अध्यक्ष शत्रुहन शर्मा ने बताया कि कोरबा शहर के कई हिस्सों में छठ घाटों पर छठ महापर्व की भव्यता देखने को मिलती है, लेकिन हमारी समिति द्वारा हर साल कुछ हट कर नया करने का जज्बा दिखता है। इस बार पूरे छठ घाट को मंडप का रूप दिया गया है और लाईटिंग से सजाया गया है। भगवान सूर्य के बीच में भगवान राम की तस्वीर से भव्य पंडाल बनाया गया है। भगवान भुवन भास्कर, छठी मैय्या के साथ इस बार भगवान रामलला की भी महाआरती की जाएगी।

श्री शर्मा ने बताया पिछले 14 वर्षों से तुलसी नगर छठ समिति द्वारा छठ पूजा को बड़े धूम धाम से मनाया जाता है और इसी प्रारंपरा को आगे बढ़ाते हुए, इस वर्ष भी छठ पूजा समिति, तुलसी नगर के द्वारा छठ पूजा का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें सभी व्रतियों को पूजन हेतु उनके बैठने, अर्घ्य देने और बाकी सभी बातों को ध्यान में रखते हुए सुविधा प्रदान किया जाएगा।

इस वर्ष तुलसी नगर के छठ घाट में छठ माता की कुल 11 मूर्ति होगी, जिससे अधिक से अधिक व्रतधारी घाट पर पूजन कर सकते हैं।

घाट को पूरा एक मंडप का रूप दिया जा रहा है, जो कि तुलसी नगर छठ घाट को और भी आकर्षक बनाता है

तुलसी नगर छठ घाट में वार्ड की पार्षद श्रीमती आरती विकास अग्रवाल एवं विकास अग्रवाल के सहयोग से लगभग 120 फिर चौड़ी सीढ़ी का निर्माण करवाया गया है, जिससे अधिक से अधिक व्रतधारी सूर्य भगवान को बड़े ही आसानी के साथ अर्घ्य दे सकते हैं।

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी, तुलसी नगर छठ घाट में, भगवान सूर्य के विशेष पूजन हेतु पंडाल का निर्माण करवाया जा रहा है, जो कि इस घाट को एक भव्य रूप देता है।

इस वर्ष तुलसी नगर छठ घाट में समिति के सदस्यों के द्वारा अनुमान लगाया जा रहा है,कि लगभग 2000 लोगों की भीड़ घाट पर एकत्र हो सकती है, इसके अनुरूप भी छठ घाट को तैयार किया गया है और तैयारी लगभग पूर्ण कर ली गई है। श्री शर्मा ने बताया कि तुलसी नगर छठ घाट में पहले समिति द्वारा अपने स्तर पर छठ महापर्व की तैयारी की जाती थी,लेकिन वार्ड पार्षद बनने के बाद विकास अग्रवाल के नेतृत्व में यहां छठ महापर्व की दिव्यता अनुपम हो गई है और यहां हर साल व्रतियों की संख्या बढ़ रही है। तैयारी करने वालों में समिति के अध्यक्ष शत्रुहन शर्मा के अलावा उपाध्यक्ष मनजीत सिंह, विशेष सलाहकार पारस सिंह, कोषाध्यक्ष जयप्रकाश शर्मा, अमन विश्वकर्मा, मुन्ना सिंह, अरविंद सिंह सहित सदस्यों की भूमिका सराहनीय है।

मंडप की तरह सजा तुलसी छठ घाट

भव्य पण्डाल बनाने की तैयारी युद्ध स्तर पर...

तुलसी नगर छठ घाट में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण

07 नवंबर 2024- गोधूली बेला पर संध्याकालीन अर्घ्य। भगवान भुवन भास्कर, छठी मैय्या का व्रतियों द्वारा झांकी के साथ विशेष पूजन। रात्रि जागरण कर छठी मैय्या की आराधना-उपासना के लिए भजन कीर्तन एवं पारंपरिक जसगीत एवं अन्य आध्यात्मिक कार्य।

08 नवंबर 2024- पारंपरिक छठ गीत प्रतियोगिा। छठ पूजा संबंधि प्रश्नोत्तर प्रतियोगिता । प्रात: कालीन अर्घ्य। पार्षद श्रीमती आरती अगवाल एवं विकास अग्रवाल द्वारा व्रतियों एवं प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करने वाले विजेताओं का सम्मान।

व्रतियों का चरण धोएंगी आरती

तुलसी छठ घाट में इस वर्ष भी पार्षद आरती अग्रवाल और विकास अग्रवाल व्रती महिलाओं का चरण धोकर आशीर्वाद लेंगे और उन्हें गर्म वस्त्र भेंट कर उनका सम्मान करेंगे।

विकास के प्रयास से घाट की बढ़ी रौनक

विकास अग्रवाल के प्रयास से तुलसी छठ घाट का नजारा ही बदल गया। आज यह घाट पूरे जिले में आदर्श घाट के रूप में विकसित हो रहा है। भव्य पंडाल और सुविधा युक्त घाट से व्रतियों को काफी सुविधा होती है। हर वर्ष यहां लोगों की भीड़ बढ़ रही है।

माता-पिता एवं बुजूर्गो के साथ त्यौहार मनाने से बढ़ जाती है खुशियां-लक्ष्मण

दीपावली के रंग संयुक्त परिवार के संग

पाली (दिव्य आकाश)।

कांग्रेस नेता एवं पूर्व विधायक प्रतिनिधि लक्ष्मणलाल डिक्सेना का कहना है कि माता-पिता एवं घर के बुजूर्ग भगवान से कम नहीं। उनकी सेवा से ही हमें स्वर्ग की प्राप्ति हो सकती है। उन्होंने इस बात पर चिंता जाहिर की कि आज भौतिक युग में संयुक्त परिवार का विघटन हो रहा है। संयुक्त परिवार को बचाने आज की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि संयुक्त परिवार में रहने से सुख दुख को बांटने से मन हल्का हो जाता है। संयुक्त परिवार में भले ही जिम्मेदारी बड़ी होती है, लेकिन संयुक्त परिवार में ही स्वर्ग का वास होता है और संयुक्त परिवार के बड़े बुजूर्ग घर की धूरी होते हैं। उनकी सेवा से ही सच्चा स्वर्ग की अनुभूति होती है। जिन्होंने हमें अस्तित्व में लाया, उनकी सेवा हमारी जिम्मेदारी ही नहीं बल्कि धर्म भी है। लक्ष्मणलाल डिक्सेना पूर्व विधायक प्रतिनिधि होने के साथ-साथ वे ग्राम वनसमिति, शाला विकास समिति सरस्वती शिशु मंदिर लखनपुर के अध्यक्ष पद का भी निर्वहन कर रहें हैं। हमारे प्रतिनिधि ने संयुक्त परिवार के साथ दीपावली की खुशियां मनाने के बाद श्री डिक्सेना से संक्षिप्त बात की, तो उन्होंने संयुक्त परिवार के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि संयुक्त परिवार के साथ त्यौहार मनाने से आनंद कई गुना बढ़ जाता है। घर के बड़े बुजूर्ग घर में खुश रहें तो घर में कभी कलह नहीं आती और मां लक्ष्मी का आशीर्वाद हमेशा बना रहता है। बुजूर्गों और माता-पिता के आशीर्वाद से ही परिवार में ईश्वर की कृपा, सुख-शांति और समृद्धि-खुशहाली रहती है। दीपावली पर पूरा परिवार एक साथ मिलकर हमने रीति रिवाज से लक्ष्मी पूजन, गोवर्धन पूजन किया और बड़े बुजूर्गों का आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने क्षेत्र के सभी लोगों को दीपावली की शुभकामनाएं भी दी और सबसे अपील की कि संयुक्त परिवार को टूटने से बचाएं और भारतीय परंपरा को आगे बढ़ाएं, ताकि देश दुनिया में हमारी वैभवशाली परंपरा को पुर्नजीवन मिल सके।

श्री डिक्सेना ने कहा कि आज लोग भौतिकवादी जीवन में इतना लिप्त हो गए हैं कि वे एकल परिवार की ओर आगे बढ़ रहे हैं और हमारा संयुक्त परिवार टूट रहा है। उन्होंने लोगों से अपील की कि अपने माता-पिता की सेवा को प्राथमिकता में रखकर आगे बढ़ें। माता पिता के बिना जीवन शून्य के समान है।

देवेन्द्र का सब इंस्पेक्टर पद पर हुआ चयन

कोरबा (दिव्य आकाश)।

पुरानी बस्ती कोहडिया निवासी देवेन्द्र सिंह राजपूत पिता कमल सिंह राजपूत का पुलिस भर्ती 2018 की परीक्षा में चयन हुआ है। देवेन्द्र सब इंस्पेक्टर पद पर चयनित हुए हैं। उनकी स्कूली शिक्षा सरस्वती शिशु मंदिर में हुई है। देवेन्द्र का चयन होने पर परिवार जनों और शुभचिंतकों में हर्ष व्याप्त है।

सूर्य षष्ठी महापर्व:खरना की रस्मअदायगी पूरी, आज डूबते सूर्य को अर्ध्य देंगे व्रती

कोरबा (दिव्य आकाश)।

पूर्वांचलवासियों का पवित्र पर्व सूर्य षष्ठी के दूसरे दिन खरना की रस्म पूरी की गई और व्रती आज संध्या डूबते सूरज को अरघ देंगे। 08 नवंबर को उगते सूरज को अर्ध्य देने के साथ घाटों में उपस्थितजनों को व्रती प्रसाद वितरण करेंगे। सभी व्रती छठी मैय्या से सुख शांति एवं समृद्धि तथा संतान सुख एवं उनके दीर्घायु, बेहतर स्वास्थ्य की कामना के साथ भगवान भूवन भास्कर से आशीर्वाद लेंगे। पंचकर्म चिकित्सा विशेषज्ञ एवं पूर्वांचल महिला मंडल की पूर्व अध्यक्ष डॉ. मनीषा सिंह ने बताया कि छठ मैय्या की पूजा अर्चना से स्वास्थ्य बेहतर एवं परिवार खुशहाल होने के साथ घर में समृद्धि आती है।

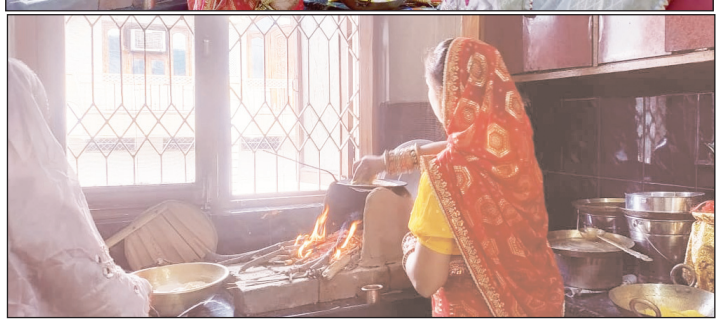

राज्योत्सव: पुलिस की आर्म्स प्रदर्शनी देखकर रोमांचित हुए दर्शक

सायबर सेल, महिला सेल, यातायात पुलिस एवं आर्म्स शाखा द्वारा लोगों को किया गया जागरूक

कोरबा (दिव्य आकाश)।

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2024 के अवसर पर कोरबा पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यूपीएस चौहान व नेहा वर्मा की मार्गदर्शन में कोरबा पुलिस के द्वारा घंटाघर स्थित ओपन थिएटर मैदान में सायबर सेल, महिला सेल, यातायात पुलिस एवं आर्म्स का प्रदर्शनी लगाकर लोगों को पुलिस के कार्यों के बारे में बताया गया।

इस अवसर पर सायबर सेल की टीम ने साइबर जागरूक किया और साइबर फ्रॉड से होने वाले ठगी के बारे में लोगों को जागरूक किया एवं उन्हें साइबर जागरूकता का पंपलेट वितरण किया एवं साइबर ठगी होने के बाद 1930 पर अपना कंप्लेन दर्ज कर सकते हैं या तो नजदीकी पुलिस थाना जाकर भी अपना कंप्लेन दर्ज कर सकते हैं और सायबर सेल में भी जाकर अपना कंप्लेंट दर्ज कराया जा सकता है, के बारे में लोगों को जागरूक किया गया। अगर किसी व्यक्ति का मोबाइल गुम हो जाए तो उसे CEIR पोर्टल में कैसे कंप्लेंट दर्ज करना है उसके बारे में भी सायबर सेल की टीम ने लोगों को जागरूक किया।

महिला सेल की टीम के द्वारा महिला संबंधी अपराध के बारे में विस्तृत जानकारी लोगों को साझा किया और महिलाओं के लिए बनाया गया अभिव्यक्ति ऐप के बारे में लोगों को जागरूक किया गया और उन्हें डाउनलोड भी करवाया गया और उनका उपयोग के बारे में उन्हें बताया। महिलाओं और बलिकाओं को मैत्री ह्वाट्सऐप हेल्पलाइन नंबर 9479282100 के बारे में भी बताया गया। पुलिस परिवार परामर्श केन्द्र में इस वर्ष कुल 200 परिवारों में परामर्श के माध्यम से समझौता कराकर मिलाया गया है ।

यातायात पुलिस की टीम ने भी यातायात संबंधी जानकारी को लोगों को बताया और यातायात नियमों का पालन करने के लिए लोगों को जागरूक किया। यातायात पुलिस के द्वारा ड्रिंक एंड ड्राइव नहीं करने, फोर व्हीलर वाहन का उपयोग करते समय सीट बेल्ट लगाकर वाहन को चलाने, दो पहिया वाहन चलाते समय तीन सवारी न बैठने, साथ ही साथ यातायात पुलिस के द्वारा ट्रैफिक सिग्नल पर सिग्नल क्रॉस नहीं करने के लिए भी बताया गया। यातायात पुलिस लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। स्टॉल में विभिन्न यातायात संबंधी उपकरण जैसे व्हीकल इम्मोबलाइज़र, ब्रेथ एनालाइजर, साउंड लेवल मीटर, स्पीड राडार गन, बॉडी वोर्न कैमरा आदि के बारे में भी बताया गया।

पुलिस के आर्मरर शाखा के द्वारा आर्म्स का भी प्रदर्शनी लगायी गयी, जिसमें एसएलआर, इंसास, पिस्टल, एके 47, हैंड ग्रेनेड, एच ई बॉम्ब, डीप सर्च मेटल डिटेक्टर आदि का प्रदर्शनी लगाकर लोगों को आर्म्स के बारे में जानकारी दिया गया। पुलिस विभाग के विभिन्न प्रकार के रैंक के यूनिफार्म के बारे में भी बताया गया। प्रदर्शनी देखकर लोग रोमांचित हुए।

राज्योत्सव: आकर्षक कार्यक्रमों ने मोहा मन

ड्रोन से खींची गयी राज्योत्सव स्थल की मनमोहक तस्वीर: रंगोली से छत्तीसगढ़ में भरा विकास का रंग।

शारदा सिन्हा की यादें: सलमान की मूवी में मिले थे रू. 76, हम आपके हैं कौन में गाना गाया, वासेपुर का सॉन्ग भी फेमस

पटना (एजेंसी)।

दिल्ली एम्स में मंगलवार को लोक गायिका शारदा सिन्हा ने आखिरी सांस ली। वो 72 साल की थीं। बीते 11 दिनों से वो अस्पताल में भर्ती थीं। शारदा सिन्हा ने हिंदी में कम गाने गाए, लेकिन बॉलीवुड में उनके गाए सभी गानों को दर्शकों का खूब प्यार मिला। उनके गाए गाने को लोग आज भी गुनगुनाते हैं। सुपर स्टार सलमान खान और भाग्य श्री की फिल्म मैंने प्यार किया में कहे तोसे सजना तोहरी सजनिया आज भी लोगों की जुबान पर है। शारदा सिन्हा को इस गाने के लिए महज 76 रुपए फीस मिली थी।

सलमान खान की दूसरी सुपरहिट फिल्म हम आपके हैं कौन का बाबुल जो तूने सिखाया गाना भी उन्होंने गाया था। यह गाना भी काफी लोकप्रिय हुआ था। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस मूवी ने उस समय 72 करोड़ से ज्यादा रुपए का कलेक्शन किया था। जबकि, मैंने प्यार किया मूवी ने भी 45 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था।

'कहे तोसे सजना' गाने के बाद शारदा सिन्हा ने लंबे समय तक बॉलीवुड गाने नहीं गाए। उसके बाद साल 2012 में रिलीज हुई फिल्म गैंग्स आफ वासेपुर में तार बिजली से पतले हमारे पिया को भी उन्होंने अपनी खूबसूरत आवाज दी थी। उनका यह गाना भी दर्शकों की जुबां पर चढ़ गया। वेब सीरीज महारानी में उनके निरमोहिया गाने को खूब पसंद किया गया था।

अचानक मिला था राजश्री प्रोडक्शन से ऑफर

दो साल पहले शारदा सिन्हा ने बयान में बताया था कि उन्हें बॉलीवुड में गाने का ऑफर कैसे मिला, इसे लेकर किस्सा शेयर किया था। उन्होंने बताया- मैं 1988 में एक भोजपुरी फिल्म माई के गाने की रिकॉर्डिंग के लिए मुंबई गई थी। बगल के ही बिल्डिंग में राजश्री प्रोडक्शन का ऑफिस था। तब तक मेरे कई गाने और लोकगीत लोगों के बीच आ चुके थे और लोकप्रिय थे।

1983 में मैंने मैथिली कोकिल विद्यापति के लिए श्रद्धांजलि गीत रिकॉर्ड किया था। ये एक तरह का क्लासिकल लोकगीत था, ये तारा चंद्र बड़जात्या जी को सुनना बहुत पसंद था। जब उन्हें पता चला कि मैं मुंबई में हूं तो उन्होंने मुझे मिलने के लिए बुलाया। मुंबई आने पर मैं उनसे मिली तो उन्होंने मुझे मेरे गानों के लिए बधाई दी और मुझे मैंने प्यार किया का फेमस गाना... कहे तोसे सजना ये तोहरी सजनिया गाने का ऑफर दिया।

लता जी के गाए गानों की लिस्ट में एक गाना मेरा भी था

शारदा सिन्हा ने कहा था- मैंने प्यार किया फिल्म के अधिकतर गाने लता जी ने गाए थे। उस फिल्म में मेरा भी एक गाना होना सौभाग्य की ही बात थी। इस गाने के बाद बॉलीवुड के लिए मैंने दूसरे कई गाने गाए।

'बाबुल जो तुमने सिखाया', 'तार बिजली से पतले हमारे पिया' कुछ ऐसे गाने हैं, जो लोगों ने बहुत पसंद किए। बॉलीवुड से मेरा कुछ ऐसा रिश्ता है कि उन्हें जब भी लगता है कि किसी गाने को मेरी आवाज की जरूरत है, वहां से मुझे बुलावा आ जाता है।

कई भाषाओं में गाने गाए

मैथिली, मगही और भोजपुरी भाषा की सबसे प्रसिद्ध गायिकाओं में यदि किसी की गिनती होती है तो उसमें सबसे आगे शारदा सिन्हा का नाम आता है। हाल में उन्होंने महारानी-2 वेब सीरीज के लिए भी गाना गया था। छठ पर्व के समय में न केवल बिहार बल्कि बिहार के बाहर भी उनके गाए गाने सुनाई देते हैं।

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव: बॉलीवुड सिंगर नीति के गानों पर झूमे लोग

रायपुर, एजेंसी।

छत्तीसगढ़ राज्योत्सव के दूसरे दिन मंगलवार को नवा रायपुर में बॉलीवुड सिंगर नीति मोहन ने लाइव परफॉर्मेंस दी। उन्होंने अपने गानों से लोगों का दिल जीत लिया। नीति के गानों पर लोग झूमते नजर आए। परफॉर्मेंस के दौरान सिंगर नीति को स्टेज पर मच्छरों और कीड़ों ने खूब परेशान किया।

लेकिन नीति बैक टू बैक अपनी परफॉर्मेंस देती रहीं। उन्होंने कहा कि, स्टेज पर बहुत ही खास मेहमान उड़ रहे हैं। यह खास मेहमान मच्छर हैं। मुझे नहीं पता कि आप इन्हें देख पा रहे हैं या नहीं, लेकिन अब तक मैं दो-तीन मच्छर खा चुकी हूं। बहुत मजा आ रहा है।

जिया रे जिया रे.. पर झूमे लोग

नीति मोहन ने परफॉर्मेंस की शुरुआत जिया रे गाने से की, इसके बाद बैंग-बैंग.....घुंघरू टूट गए....नैनो वाले ने, लंडन ठुमकदा और बारी बरसी जैसे गाने सुनाए। आखिरी में उन्होंने पंजाबी सॉन्ग के अलावा दूसरे सिंगर के भी गाने भी गाए। जिस पर लोगों ने जमकर डांस भी किया।

लड़कियों को अपनी जगह बनाने बहुत मेहनत करनी पड़ती है

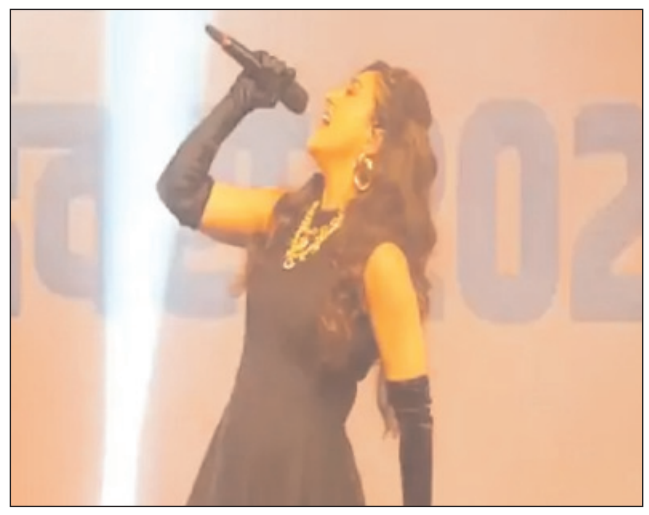

राज्योत्सव में परफॉर्म करने से पहले नीति मोहन ने मीडिया से बातचीत की और सवालों के जवाब दिए। उन्होंने कहा कि, इंडस्ट्री में चाहे कोई भी हो, लेकिन मैंने ऐसा महसूस किया है कि लड़कियों को अपनी जगह बनाने बहुत मेहनत करनी पड़ती है। हमारे परिवार में 4 लड़कियां हैं। शक्ति डांस में और मुक्ति एक्टिंग में जाना चाहती थी। मैंने सिंगिंग को चुना। हम तीनों को पता नहीं था कि, कैसे इंडस्ट्री में कदम रखें। हालांकि आज लड़कियां बहुत मेहनत कर रही हैं। बहुत निडर भी हैं। यही कारण है कि वे हर क्षेत्र में अच्छा कर रही हैं।

रहमान साहब मेरे गुरु

नीति ने बताया कि, एआर रहमान साहब को मैं गुरु मानती हूं। उनके साथ बहुत काम किया है और बहुत कुछ सीखा भी है। जब भी उनके आस-पास रहती हूं, म्यूजिक ही नहीं लाइफ के बारे में सीखती हूं। उनके साथ काम करने पर डर लगता है और खुशी भी मिलती है।

नए आर्टिस्ट से सीखने मिलता है

नए आर्टिस्ट के साथ काम करने के सवाल पर नीति ने कहा कि, मैं तो यही चाहती हूं कि नए-नए आर्टिस्ट के साथ काम करूं। इसके दो कारण हैं। पहला तो आप नए लोगों से जुड़ते हैं और आपको नयापन मिलता है। दूसरा- आपको नए लोगों से सीखने को बहुत कुछ मिलता है। कई ऐसे लोग मिलते हैं, जो नए-नए स्टाइल में गाते हैं।

ट्रेनिंग लें, फिर आगे बढ़ें, इससे करियर लंबा चलेगा

नीति ने कहा कि, जो भी म्यूजिक के क्षेत्र में जाना चाहता हैं, मैं उनसे यही कहूंगी कि आप केवल ट्रेनिंग पर ध्यान दें। आपकी जितनी अच्छी ट्रेनिंग होगी, उतनी ही अच्छी जर्नी होगी। आज सोशल मीडिया के दौर में बहुत जल्दी पहचान मिलती है, लेकिन इसके चक्कर में हम ट्रेनिंग पर ध्यान नहीं देते। इसलिए पहले खूब ट्रेनिंग लें, फिर आगे बढ़ें। इससे करियर लंबा चलेगा।हीं खाया था खाना; कहा- घर में भजन तक ठीक है, बाहर नहीं चलेगा शारदा सिन्हा का 72 साल की उम्र में दिल्ली एम्स में निधन हो गया। जब उनकी शादी हुई तो उनकी सास ने गाने पर पाबंदी लगा दी थी। गाना गाने की जिद करने पर सास ने कई दिनों तक खाना नहीं खाया था।

उद्योग मंत्री देवांगन ने दी छठ पूजा की बधाई

कोरबा (दिव्य आकाश)।

नगर विधायक व वाणिज्य, उद्योग और श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने जिले व प्रदेशवासियों को छठ पूजा की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान भास्कर व छठी मइया सबकी मनोकामना पूर्ण करें। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि छठ पूजा का पर्व सूर्य देवता की उपासना और प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करने का महान अवसर है। यह पर्व प्रकृति और मानव के बीच के प्रेम को दर्शाता है। सूर्य देवता की आराधना से हम जीवन के हर पहलू में सकारात्मकता और नई ऊर्जा का अनुभव करते हैं। उन्होंने कहा कि छठ पूजा का महत्व सिर्फ धार्मिक आस्था में नहीं, बल्कि हमारे समाज की सांस्कृतिक, एकता और सौहार्द्र में भी निहित है। यह पर्व हमें एकजुट कर हमें अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को सही तरीके से निभाने की प्रेरणा देता है। इसके साथ ही मंत्री श्री देवांगन ने नगर निगम और पुलिस प्रशासन से छठ पूजा के दौरान सभी प्रमुख छठ घाटें में पर्याप्त लाइट, पार्किंग और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर 8 को फगुरम में

सक्ती (दिव्य आकाश)। कलेक्टर अमृत विकास तोपनो के निर्देशन में जिले में आमजनता की समस्याओं का त्वरित निराकरण करने एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का ज्यादा से ज्यादा लाभ दिलाने के उद्देश्य से 12 जुलाई 2024 से 27 दिसम्बर 2024 तक जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिला स्तरीय शिविर अंतर्गत 08 नवम्बर 2024 को मालखरौदा विकासखंड के हायर सेकेण्ड्री स्कूल फगुरम में शिविर आयोजित किया जाएगा। कलेक्टर तोपनो द्वारा समस्त जिलेवासियों से उक्त शिविर में विभिन्न विभाग अंतर्गत संचालित शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का ज्यादा से ज्यादा लाभ लेने की अपील की गई है।

अबूझमाड़ के बच्चों के मलखंभ का अद्भुत प्रदर्शन देख इतने गदगद हुए उपराष्ट्रपति कि मंच पर वापस चढ़कर बच्चे को उठा लिया गोद में

रायपुर।

अबूझमाड़ के बच्चों ने राज्योत्सव में आज अपने मलखंभ का ऐसा शानदार प्रदर्शन किया कि कार्यक्रम देख रहे उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने पुन: मंच पर जाकर टीम के सबसे छोटे बच्चे को गोद में उठा लिया। उपराष्ट्रपति ने बच्चों को इस प्रदर्शन के लिए बधाई देते हुए कहा कि आप सभी को दिल्ली घुमाने ले जाएंगे, वहां आपको संसद भवन, वार मेमोरियल, पीएम संग्रहालय दिखायेंगे। साथ ही उन्होंने संसद टीव्ही में साक्षात्कार कराने की बात भी कही। उपराष्ट्रपति के स्नेह से बच्चे भी अभिभूत हो गए। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए बहुत खुशी का क्षण है कि हम दिल्ली जाकर देश के भव्य स्मारकों को देखेंगे।

36 विभूतियों को अलंकरण सम्मान

बहोरी लाल देवांगन को उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने प्रदाय किया। ग्रामोद्योग विभाग द्वारा बुनकर के क्षेत्र में राजराजेश्वरी करूणामाता हाथकरघा प्रोत्साहन पुरस्कार संयुक्त रूप से सत्यनारायण देवांगन एवं अरूण मेहर को प्रदान किया गया। संस्कृति विभाग द्वारा प्रदर्शनकारी लोककला क्षेत्र में देवदास बंजारे स्मृति पुरस्कार भगत गुलेरी, संस्कृति विभाग द्वारा लोक शैली पंथी नृत्य प्रदर्शनकारी कला क्षेत्र में देवदास स्मृति पंथी नृत्य पुरस्कार साधे लाल रात्रे, संस्कृति विभाग द्वारा हिन्दी-छत्तीसगढ़ी सिनेमा में रचनात्मक लेखन, निर्देशन, अभिनय, पटकथा, निर्माण के क्षेत्र में किशोर साहू सम्मान प्रकाश अवस्थी, संस्कृति विभाग द्वारा ही हिन्दी-छत्तीसगढ़ी सिनेमा में निर्देशन के लिए दिया जाने वाला किशोर साहू राष्ट्रीय अलंकरण सतीश जैन को प्रदान किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयुर्वेद चिकित्सा शिक्षा तथा शोध एवं अनुसंधान के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए धनवन्तरि सम्मान डॉ. मनोहर लाल लहेजा को प्रदान किया गया। विधि एवं विधायी विभाग द्वारा विधि के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हेतु बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल सम्मान संयुक्त रूप से सुरेन्द्र तिवारी और प्रकाश चंद्र पंत को, संस्कृति विभाग द्वारा देश के बाहर सामाजिक कल्याण, मानव संसाधन विकास, कला, साहित्य अथवा आर्थिक योगदान के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए छत्तीसगढ़ अप्रवासी भारतीय सम्मान आनंद कुमार पांडे, संस्कृति विभाग द्वारा साहित्य, आंचलिक साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए लाला जगदलपुरी साहित्य पुरस्कार डॉ. पीसी लाल यादव को उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने प्रदान किया। जनसंपर्क विभाग द्वारा पत्रकरिता प्रिंट मीडिया हिन्दी के क्षेत्र में चन्दूलाल चन्द्राकर स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार भोलाराम सिन्हा, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया (हिन्दी) के क्षेत्र में मोहन तिवारी, प्रिंट मीडिया (अंग्रेजी) के क्षेत्र में मधुकर खेर स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार मुकेश एस. सिंह, रचनात्मक लेखन और हिन्दी भाषा क्षेत्र में प्रदाय किए जाने वाले पंडित माधवराव सप्रे राष्ट्रीय रचनात्मकता सम्मान अतुल जैन को प्रदान किया गया।

कोरबा के अर्जुन ने केबीसी में जीते 12 लाख: शो से वापस लौटने पर सम्मान, कहा- अमिताभ से मिलना सपना था

कोरबा (दिव्य आकाश)।

कोरबा के रहने वाले 11 साल के अर्जुन अग्रवाल ने कौन बनेगा करोड़पति यानी केबीसी में 12 लाख रुपए जीते हैं। अर्जुन कक्षा छठवीं के छात्र हैं। शो से वापस आने के बाद क्षेत्रीय लोगों ने उनका स्वागत किया है। वहीं दर्री आईपीएस प्रशिक्षु सीएसपी विमल कुमार पाठक अपने कार्यालय में बुलाकर अर्जुन का सम्मान किया है।

इस मौके पर अर्जुन ने बताया कि उसे बचपन से ही सामान्य ज्ञान में रुचि है। उसका सपना था कि पढ़ाई के साथ साथ एक दिन वो इस कार्यक्रम में हिस्सा ले। अर्जुन ने

कहा - अमिताभ बच्चन से मिलकर उसे बेहद खुशी हुई। वो प्रयास करेगा कि फिर से इस कार्यक्रम का हिस्सा बन पाए।

जांजगीर-चांपा में नौकरी लगाने के नाम पर 3 लाख की ठगी

जांजगीर-चांपा। जांजगीर चांपा में शिक्षाकर्मी और प्रयोगशाला सहायक पद पर नौकरी लगाने के नाम पर दो लोगों से 3 लाख रुपए की ठगी की गई है। इस मामले में पुलिस ने आरोपी शिक्षक मनमोहन सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। पूरा मामला साल 2019 का है। जानकारी के मुताबिक कोरबा की रहने वाली सुलोचना बंजारे ने छत्तीसगढ़ शिक्षाकर्मी और प्रयोगशाला सहायक पद के लिए फॉर्म भरा था। इसी बीच एक रिश्तेदार के जरिए उनकी मुलाकात आरोपी शिक्षक मनमोहन सिंह से हुई थी। मनमोहन ने सुलोचना को नौकरी दिलाने का झांसा देकर उनसे और एक अन्य कैंडिडेट कृष्ण कश्यप से 3 लाख रुपए की ले लिए। लेकिन जब 15 अक्टूबर 2019 को रिजल्ट आया तो दोनों का नाम फाइनल लिस्ट में नहीं था। जिसके बाद सिटी कोतवाली थाने में मनमोहन के खिलाफ केस दर्ज कराया गया था।

सीजीपीएससी परीक्षा-18 नवंबर से शुरू होगा इंटरव्यू:242 पदों के लिए 703 दावेदार, 28 नवंबर तक चलेगा साक्षात्कार

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ राज्य सेवा आयोग 2023 के लिए इंटरव्यू 18 नवंबर से शुरू होगा। ष्टत्रक्कस्ष्ट ने ?शेड्यूल जारी कर दिया है। साक्षात्कार का आयोजन 18 से 28 नवंबर के बीच दो पालियों में किया जाएगा। मुख्य परीक्षा में चयनित अभ्यर्थियों को आयोग दफ्तर में सुबह 9.30 बजे और दोपहर 1.30 बजे पहुंचना अनिवार्य होगा। छत्तीसगढ़ राज्य सेवा आयोग 2023 के लिए इंटरव्यू 18 नवंबर से शुरू होगा

2 पाली में होगा इंटरव्यू

साक्षात्कार का आयोजन 18 से 28 नवंबर के बीच 2 पालियों में किया जाएगा। पहली पाली सुबह 11 से 1 बजे और दूसरी पाली दोपहर 2 से शाम 5 बजे के बीच होगी। इसके पहले मुख्य परीक्षा में चयनित अभ्यर्थियों को आयोग दफ्तर में सुबह 9.30 बजे और दोपहर 1.30 बजे पहुंचना अनिवार्य होगा।

अक्टूबर में होने वाला इंटरव्यू स्थगित

पीएससी से जारी सूचना के अनुसार पीएससी में नए सदस्य और कार्यकारी अध्यक्ष की नियुक्ति की गई है। इससे पीएससी में कुल सदस्यों की संख्या बढ़ गई है। रीता शांडिल्य के पदभार ग्रहण करने के बाद पूर्व में बनाए गए साक्षात्कार बोर्ड को भंग कर दिया गया। दरअसल पूर्व में जो साक्षात्कार बोर्ड का गठन किया गया था, उसमें अधिकांश सदस्य पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार द्वारा नियुक्त किए गए थे। इसे देखते हुए सरकार ने नई नियुक्ति कर पूर्व में निर्धारित साक्षात्कार को स्थगित कर दिया।

242 पदों के लिए भर्ती

इस बार 242 पदों के लिए भर्ती हो रही है। इसमें डिप्टी कलेक्टर, छग राज्य वित्त सेवा अधिकारी, खाद्य अधिकारी, जिला आबकारी अधिकारी, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी, जिला पंजीयक, राज्य कर सहायक आयुक्त, अधीक्षक जेल जिला, सहायक संचालक आदिम जाति और अनुसूचित जनजाति, सहायक पंजीयक, जिला सेनानी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, बाल विकास परियोजना अधिकारी, छग अधीनस्थ लेखा सेवा अधिकारी, नायाब तहसीलदार, राज्य कर निरीक्षक, सहायक निरीक्षक/सहकारिता विस्तार अधिकारी के पद शामिल हैं। साक्षात्कार को लेकर विस्तृत जानकारी सीजीपीएससी की वेबसाइट पर जारी की गई है।

इस बार 100 अंकों का होगा इंटरव्यू

पीएससी-2023 के तहत इंटरव्यू 100 अंकों का होगा। इस बार साक्षात्कार के अंकों में बदलाव किया गया है। पहले, इसके लिए 150 नंबर निर्धारित थे।

भगवान भुवन भास्कर की स्वर्ण आभा पूरे जिलेवासियों के जीवन को समृद्ध और खुशहाल बनाए...

स्वास्थ्य एवं समृद्धि की प्रतीक छठी मईया

कनक मंदिर ज्वेलर्स

परिवार की ओर से सभी व्रतियों का

अभिनंदन... वंदन...

आप सभी को **छठ पर्व** की

हार्दिक शुभकामनाएं...

आपकी मुस्कान बिखरेंगी जब
पहनेंगी कनक मंदिर के ज्वेलर्स

नया भव्य शोरूम - आभूषणों का भव्य संग्रह

स्वर्ण धन सुरक्षित धन

कनक मंदिर ज्वेलर्स

पॉवर हाऊस रोड कोरबा, मो. 93294-16638

स्वामी , प्रकाशक ,मुद्रक युधिष्ठिर राजवाड़े द्वारा आकाश आफसेट टीपी नगर कोरबा से मुद्रित कर प्रेस क्लब भवन के सामने रिकाण्डो रोड कोरबा से प्रकाशित संपादक युधिष्ठिर राजवाड़े मो.नं.-98266-47851 आरएनआई नंबर CHHHIN/2010/47078 Email :-divyaakash.news@gmail.com

दिव्य आकाश

सूर्य उपासना का पवित्र पर्व सूर्य षष्ठी की हार्दिक शुभकामनाएं...

कोरबा से प्रकाशित एवं मुद्रित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

कार्तिक शुक्ल षष्ठी विक्रम संवत 2081, कोरबा, दिनांक 07 नवंबर 2024

समस्त प्रदेशवासियों को महापर्व छठ पूजा पर स्वस्थ एवं समृद्ध जीवन की अशेष शुभकामनाएं...

विश्व का एक मात्र प्राकट्यदेव भगवान भुवन भास्कर (छठी मईया) को समर्पित महान पर्व सूर्यषष्ठी

विश्व को संचालित करने वाले भगवान भुवन भास्कर और छठी मईय्या की पूजा से स्वस्थ, सुदीर्घ, समृद्ध जीवन की प्राप्ति

छठ पूजा पर विश्व को संचालित करने वाले सूर्यदेव के साथ छठी मईया की भी पूजा की जाती है। छठी माता को नवदुर्गा के रूपों में से कात्यायनी देवी के रूप में भी पूजी जाती हैं। छठी मईया को संतान की दीर्घायु और रक्षा करने वाली देवी के रूप में पूजी जाती हैं। कार्तिक शुक्ल की षष्ठी को छठ पर्व के नाम से जाना जाता है। पौराणिक मान्यता है कि सूर्य के बिना धरती पर जीवन संभव नहीं है और सूर्य ही अपने ऊर्जा से जीव मात्र को जीवन देते हैं और विश्व का संचालन करते हैं। छठी मईय्या ही प्राकट्य देवी हैं, जिनकी पूजा से परिवार को खुशहाली और संतान की दीर्घायु मिलती है। छठी मईय्या के आशीर्वाद से ही बच्चे संस्कारवान बनते हैं।

मार्कण्डेय पुराण में बताया गया है कि सृष्टि की रचना करने वाली देवी प्रकृति ने खुद को छह भागों में बांट लिया था। इनमें से छठा भाग सबसे महत्वपूर्ण है, जिसे हम सर्वश्रेष्ठ मातृदेवी के रूप में जानते हैं। यह देवी, ब्रह्मा जी की मानस पुत्री हैं और हम इन्हें छठी मईय्या के रूप में पूजते हैं।

छठी मईया को सूर्यदेव की बहन माना जाता है। इस कारण से छठ पूजा में दोनों भाई-बहन यानी सूर्यदेव और छठी मईया की पूजा की जाती है। छठी मैया को देवसेना भी कहते हैं। छठ माता नवजात शिशुओं के जन्म के बाद 6 दिन तक उनके पास रहती हैं। वह शिशुओं की रक्षा करती हैं। छठी मईय्या विश्व कल्याण के लिए अपनी असीम ऊर्जा से मानव सहित सभी जीव जंतुओं एवं पेड़ पौधों में जीवन का संचार करती हैं और इसी कारण छठ पूजा को प्रकृति पूजा के रूप में भी हम मनाते हैं।

आदिदेव नमस्तुभ्यं प्रसीदमम् भास्कर।
दिवाकर नमस्तुभ्यं प्रभाकर नमोऽस्तु ते।।

शाश्वत प्रताप सिंह

डॉ. विरेन्द्र प्रताप सिंह - डॉ. श्रीमती सोनिया सिंह

डॉ. श्रीमती मनीषा सिंह इंजी. कन्हैरया सिंह

इंजी.भानु प्रताप सिंह (अनिरूद्ध) श्रीमती प्रियंका सिंह

योक्षिता सिंह

रूग्ण शरीर में नई ऊर्जा के साथ नई जान डाल दे- इसका नाम है पंचकर्म चिकित्सा

निम्न व्याधियों पर पंचकर्म चिकित्सा एवं परामर्श

- संधिवात/गठिया वात
- पक्षाघात
- संधिवात
- गठिया वात
- सायटिका
- स्लीप डिस्क
- मोटापा
- डायबिटीज
- थायरॉयड
- पाचन विकार
- बवासीर
- सोरायसिस
- सर्दी/ खांसी
- मूत्र विकार व पथरी
- मायग्रेन
- आयुर्वेद परामर्श Ayurveda Consultation
- पंचकर्म परामर्श Panchakarma Consultation
- जीवन शैली परिवर्तन परामर्श Lifestyle Modification
- पोषण संबंधी परामर्श Nutritional Consultation
- स्वास्थ्यरक्षण परामर्श Preventive Health Care

क्या है पंचकर्म

पंचकर्म में पांच चिकित्सीय क्रियाएं होती हैं। वमन, विरेचन, बस्ति, नस्य और रक्तमोक्षण कर्म। पंचकर्म चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. मनीषा सिंह ने बताया कि पंचकर्म क्रिया द्वारा शरीर के विषाक्त द्रव्यों का शोधन किया जाता है। इसके बाद औषधि ज्यादा प्रभावी तरीके से काम करती है। सारांश में कहें तो जैसे जड़ निकालने से पेड़ का समूल नाश हो जाता है, उसी तरह पंचकर्म से रोग का समूल नाश होता है और बेहतर सेहत मिलती है। चेहरा सहित पूरे शरीर में कांति आती है। नई ऊर्जा मिलती है, इम्युनिटी सिस्टम ज्यादा प्रभावी बनता है। रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है, चिंता और अवसाद से मुक्ति मिलती है।

पंचकर्म चिकित्सा अपनाएं और आजीवन आरोग्य रहें-

- शरीर पुष्ट व बलवान होता है। रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।
- शरीर की क्रियाओं का संतुलन पुन: लौट आता है।
- रक्त शुद्धि से त्वचा कांतिमय होती है। इंद्रियों और मन को शांति मिलती है। दीर्घायु प्राप्त होती है और बुढ़ापा देर से आता है।
- रक्त संचार बढ़ता है।
- मानसिक तनाव में कारगर है।
- अतिरिक्त चर्बी को हटाकर वजन कम करता है।
- आर्थराइटिस, मधुमेह, तनाव, गठिया, लकवा आदि सहित समस्त रोगों में राहत मिलती है।
- स्मरण शक्ति बढ़ती है, पांचों इंद्रियों की शक्ति बढ़ती है।

ऑपरेशन को छोड़कर हर गंभीर बीमारियों का ईलाज संभव है पंचकर्म चिकित्सा से

निराश जीवन में आशा जगाए...

आयुर्वेद सदन-

पंचकर्म चिकित्सालय

आर्युलाईन मल्टी स्पेशलिटि पंचकर्म हॉस्पिटल

प्लाट नं.: 310,सुदर्शन भवन (पंचकर्म सदन) मेन स्टेट बैंक के पास, प्रजापति ब्रह्मकुमारी विश्वविद्यालय के बगल में, टी.पी. नगर (कोरबा), मो.: 94255-47677, 83193-24280

बीएसएनएल ने लॉन्च किया 365 दिन वाला सबसे सस्ता रिचार्ज प्लान, कॉलिंग और डेटा के साथ मिलेगा बहुत कुछ

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत संचार निगम लिमिटेड ने अपने ग्राहकों के लिए एक शानदार प्रीपेड प्लान लॉन्च किया है, जो कि किफायती होने के साथ-साथ कई सुविधाएं भी प्रदान करता है। आइए, इस प्लान की खासियतों और कीमत के बारे में विस्तार से जानते हैं।

बीएसएनएल का किफायती प्रीपेड प्लान

बीएसएनएल का नया प्रीपेड प्लान 1,198 रुपये में उपलब्ध है। इस प्लान की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसकी वैलिडिटी 365 दिनों की है। मतलब, इस प्लान में हर दिन का खर्च सिर्फ 3.50 रुपये आता है। इस प्लान में आपको हर महीने 3तक्रहाई-स्पीड डेटा दिया जाएगा। इसके साथ ही, आपको हर महीने 30 फ्री एसएमएस और 300 फ्री कॉलिंग मिनट भी मिलेंगे। इससे आप बिना किसी चिंता के अपनी जरूरत के अनुसार डेटा और कॉलिंग कर सकते हैं। इस प्लान में नेशनल रोमिंग भी फ्री है। इसका मतलब है कि जब आप भारत में कहीं भी यात्रा करेंगे, तो इनकमिंग कॉल्स पर कोई अतिरिक्त चार्ज नहीं लगेगा। यह सुविधा यात्रा के दौरान बहुत सहायक होती है।

सिंगल पेरेंट्स जरूर करवाएं बीमा, इन Life Insurance से आपके बच्चे का भविष्य रहेगा सुरक्षित

नई दिल्ली (एजेंसी)।

बच्चे माता-पिता के लिए प्राथमिकता होते हैं, चाहे वह सिंगल पैरेंट हो या कोई ऐसा व्यक्ति जिसके पास बच्चे को पालने के लिए पर्याप्त समर्थन हो। सिंगल पेरेंटिंग कुछ अनूठी चुनौतियां लेकर आती है, जैसे कि घर को अकेले संभालना और यह सुनिश्चित करना कि आपके जाने के बाद आपका छोटा बच्चा अकेला न रह जाए। इसलिए, सिंगल पैरेंट्स के लिए, जीवन बीमा सिर्फ़ एक विकल्प से कहीं ज़्यादा हो जाता है - यह एक महत्वपूर्ण सुरक्षा जाल बन जाता है। आइए जानें कि जीवन बीमा को प्राथमिकता क्यों देनी चाहिए, सही पॉलिसी कैसे चुनें, और उपलब्ध विभिन्न प्रकार क्या हैं।

सिंगल पैरेंट्स के लिए जीवन बीमा का महत्व एकल अभिभावक के रूप में, आप अपने बच्चे के भविष्य के लिए एकमात्र वित्तीय प्रदाता और निर्णयकर्ता हैं। यहां बताया गया है कि जीवन बीमा आपके लिए क्यों आवश्यक है।

वित्तीय सुरक्षा-

जीवन बीमा आपकी मृत्यु के मामले में आपके लाभार्थियों को एकमुश्त भुगतान प्रदान करता है। यह सुनिश्चित करता है कि आपके बच्चे की वित्तीय ज़रूरतें, जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, और दैनिक खर्च, तब भी पूरी हों, जब आप वहां नहीं हों।

ऋण चुकौती-

यदि आपके पास व्यक्तिगत ऋण, या शैक्षिक ऋण जैसे बकाया ऋण हैं, तो जीवन बीमा भुगतान इन ऋणों को चुकाने में मदद कर सकता है।* यह आपके बच्चे को वित्तीय देनदारियों के बोझ से बचाता है।

दैनिक खर्चों को कवर करना-

एक जीवन बीमा पॉलिसी किराए, किराने का सामान, उपयोगिताओं और कपड़ों जैसे जीवन-यापन के खर्चों को कवर कर सकती है।* अपने बच्चे के वर्तमान जीवन स्तर को बनाए रखना आवश्यक है, खासकर यदि वे पूरी तरह से आपकी आय पर निर्भर हैं।

शिक्षा और भविष्य की बचत-

जीवन बीमा ट्यूशन फीस, पाठ्येतर गतिविधियों और उच्च अध्ययन के लिए धन सुनिश्चित करके आपके बच्चे की शिक्षा को सुरक्षित करने में मदद कर सकता है। आप एक बचत योजना का विकल्प भी चुन सकते हैं जो समय के साथ धन संचय करती है, जिससे आपके बच्चे के बढ़ने पर वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित होती है।

जीवन बीमा के प्रकार जिन पर विचार किया जाना चाहिए

सिंगल पैरेंट्स की अलग-अलग ज़रूरतें होती हैं, और सही प्रकार की जीवन बीमा पॉलिसी चुनना महत्वपूर्ण है। नीचे मुख्य प्रकार की पॉलिसियां दी गई हैं जो आपकी स्थिति के अनुकूल हो सकती हैं।

टर्म इंश्योरेंस-

एक विशिष्ट अवधि (10, 20, या 30 वर्ष) के लिए कवरेज प्रदान करता है।

संपूर्ण जीवन बीमा-

मृत्यु लाभ के साथ आजीवन कवरेज प्रदान करता है। प्रीमियम आम तौर पर अधिक होते हैं, लेकिन एक नकद मूल्य घटक के साथ भी आते हैं जो समय के साथ बढ़ता है। आप आपात स्थिति के लिए नकद मूल्य पर उधार ले सकते हैं, जो इसे एकल माता-पिता के लिए एक लचीला विकल्प बनाता है जो कवरेज और बचत दोनों चाहते हैं।

बाल योजनाएं-

शिक्षा या विवाह जैसे भविष्य के लक्ष्यों के लिए यह पॉलिसी परिपक्वता पर एकमुश्त भुगतान प्रदान करता है। वित्तीय सुरक्षा बनाने के लिए एक स्थिर और कम जोखिम वाला तरीका प्रदान करता है।

सिंगल पैरेंट्स को कितना जीवन बीमा खरीदना चाहिए ?

आपको जितनी जीवन बीमा कवरेज की आवश्यकता है, वह कई कारकों पर निर्भर करती है, जैसे आपके वर्तमान खर्च, बकाया ऋण और आपके बच्चे की भविष्य की वित्तीय ज़रूरतें। एकल माता-पिता के रूप में, 1-2 करोड़ रुपये की कवरेज राशि एक उचित अनुमान हो सकती है, लेकिन यह आपकी विशिष्ट स्थिति पर निर्भर करता है। आपकी आय, ऋण और पारिवारिक जिम्मेदारियों में बदलाव के साथ आपकी कवरेज आवश्यकताओं का पुनर्मूल्यांकन करना आवश्यक है।

एकल अभिभावकों के लिए टर्म इंश्योरेंस के लाभ

टर्म इंश्योरेंस अक्सर एकल अभिभावकों के लिए सबसे अच्छा विकल्प होता है क्योंकि यह किफ़ायती और सरल होता है। यहां कुछ लाभ दिए गए हैं।

कम प्रीमियम-

संपूर्ण जीवन पॉलिसियों की तुलना में, टर्म इंश्योरेंस में कम प्रीमियम होता है, जिससे एकल अभिभावक के बजट में फिट होना आसान हो जाता है।

उच्च कवरेज-

आप समान प्रीमियम पर उच्च कवरेज राशि प्राप्त कर सकते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि आपके बच्चे की वित्तीय ज़रूरतें पूरी तरह से कवर की गई हैं।

अनुकूलन योग्य शर्तें-

आप अपने बच्चे की उम्र के अनुसार कवरेज की अवधि चुन सकते हैं ।

विधायक फूलसिंह राठिया ने कलेक्टर को लिखा पत्र

पीएम आवास के हितग्राहियों को नि:शुल्क दी जाए रेत

कोरबा/रामपुर (दिव्य आकाश)।

वर्तमान समय में घर बनाना काफी मुश्किल है। निर्माण सामाग्रियों के दाम आसमान छू रहे हैं। गरीबों के आशियाने का सपना पूरा करने

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत हितग्राहियों के मकान बन चुके हैं या फिर बनाए जा रहे हैं। योजना के तहत आवास निर्माण महंगा साबित हो रहा है, क्योंकि योजना के लाभान्वित हितग्राहियों को महंगे दर पर रेत खरीदनी पड़ रही है। रामपुर विधायक फूलसिंह राठिया ने प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभान्वित हितग्राहियों को नि:शुल्क रेत मुहैया कराए जाने की मांग की है। इस बाबत उन्होंने कलेक्टर अजीत वसंत को पत्र लिखा है। पत्र में कहा गया है कि जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना में लाभान्वित हितग्राहियों को रेत नि:शुल्क दिया जाए, ताकि जिले के गरीब हितग्राहियों को आवास बनाने में आसानी हो। रेत के लिए उन्हें मोटी रकम खर्च न करनी पड़े। महंगाई को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री आवास हितग्राहियों को तत्काल नि:शुल्क रेत दिए जाने की मांग विधायक श्री राठिया ने की है। पत्र की प्रतिलिपि उप संचालक खनिज विभाग को भी प्रेषित की गई है। ज्ञात रहे कि छत्तीसगढ़ विधानसभा सत्र के दौरान मौजूदा वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने राज्य में प्रधानमंत्री आवास निर्माण के लिए नि:शुल्क रेत की घोषणा की थी। घोषणा के बाद अब तक प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को नि:शुल्क रेत उपलब्ध नहीं करायी जा रही है।

पाली ब्लॉक के स्कूलों में हेल्दी ब्रेकफास्ट अभियान की शुरुआत, अब सम्पूर्ण जिले में लागू हुई योजना

कोरबा/पाली (दिव्य आकाश)।

कोरबा जिले में श्रम एवं उद्योग मंत्री लखन देवांगन ने कुछ महीने पहले जिले के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को मध्यान भोजन से पहले हेल्दी ब्रेकफास्ट देने कोरबा कलेक्टर को सुझाव दिया था, जिसके बाद प्रशासन ने इसे लागू करने के लिए DMF से जरूरी सहायता प्रदान की और कुछ महीने पहले पायलट प्रोजेक्ट के तहत कोरबा शहरी क्षेत्र और पोड़ी-उपरोड़ा ब्लॉक के बच्चों को नाश्ता देने की योजना शुरू की। आंशिक तौर पर लागू करने के बाद इस योजना के तात्कालिक फीडबैक से उत्साहित जिला प्रशासन ने इसे सम्पूर्ण कोरबा जिले में लागू करने का निर्णय लिया, जिसके तहत 4 नवम्बर को जब छुट्टियों के बाद विद्यालय खुले तो, जिले के अन्य छुटे हुए क्षेत्र पाली, कटघोरा, करतला एवं कोरबा ग्रामीण के प्रत्येक मीडिल और प्राइमरी स्कूल में बच्चों को नाश्ता दिया गया। कलेक्टर कोरबा के निर्देश पर विद्यालय प्रबंधक ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों शाला प्रबंधन समिति के सदस्यों को आमंत्रित किया तथा जिनकी मौजूदगी में विद्यालयों में यह योजना शुरू हुई । ज्ञात हो कि इस योजना हेतु DMF (डिस्ट्रिक्ट मिनरल फण्ड) से राशि जुटाई जा रही है।

पाली- शाला प्रबंधन समिति की उपस्थिति में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय पाली में शुरू हुई योजना, बच्चों को परोसा गया हेल्दी ब्रेकफास्ट

भाजपा कोर कमेटी की बैठक

मंडलों में चुनाव हेतु चुनाव अधिकारियों की नियुक्ति

कोरबा (दिव्य आकाश)।

भारतीय जनता पार्टी जिला इकाई की कोर कमेटी की बैठक जिला भाजपा कार्यालय में संपन्न हुई। संगठन चुनाव हेतु संगठन जिला चुनाव अधिकारी राजा पांडेय के निर्देशानुसार जिला अध्यक्ष डॉ राजीव सिंह ने भारतीय जनता पार्टी जिला कोरबा (छ.ग.) कोर कमेटी की बैठक भाजपा कार्यालय कोरबा मे आहुत की। बैठक जिला चुनाव अधिकारी राजा पांडेय, सहायक चुनाव अधिकारी संजय भावनानी, सहायक चुनाव अधिकारी गोपाल मोदी की उपस्थिति में संम्पन्न हुई। बैठक में सर्व सहमति से विचार विमर्श कर मंडल चुनाव अधिकारियों एवं सहयोगियों के नाम पर निर्णय लिया गया। बैठक में प्रमुख रूप से जिला अध्यक्ष डॉ राजीव सिंह , कैबिनेट मंत्री एवं प्रदेश उपाध्यक्ष लखनलाल देवांगन, पूर्व मंत्री ननकी राम कंवर, कटघोरा विधायक प्रेम चंद पटेल, पूर्व जिला अध्यक्ष जोगेश लांबा, अशोक चावलानी, राजेन्द्र पांडेय, महामंत्री संतोष देवांगन, टिकेश्वर राठिया, आरिफ खान, हित्तानंद अग्रवाल, डॉ आलोक सिंह उपस्थित रहे। बैठक में सभी की सर्व सहमति से निर्णय की सूची प्रदेश संगठन चुनाव अधिकारी खूबचंद पारख को अनुमोदन हेतु प्रेषित किया गया तथा उनके अनुमोदन के बाद सूचि जारी की गई।

बरपाली मंडल के लिए मुख्य चुनाव अधिकारी-विकास महतो, सहयोगी प्रदीप पटेल, मदन लाल साहू, मयुर पारिक, लक्ष्मी देवांगन एवं श्रीमती सुनिता कश्यप। गढ़-उपरोड़ा के लिए मुख्य चुनाव अधिकारी-टिकेश्वर राठिया, सहायक-धनसिंह कंवर, योगेश त्रिपाठी, हरिशंकर यादव एवं रेणुका कंवर। कुदमुरा मंडल के लिए मुख्य चुनाव अधिकारी-डॉ. आलोक सिंह, सहयोगी- लक्ष्मी श्रीवास, उमेश्वर सोनी, चंद्रप्रकाश अग्रवाल एवं रेणुका राठिया। करतला मंडल के लिए मुख्य चुनाव अधिकारी-हितानंद अग्रवाल, सहयोगी-नटवर शर्मा, राजेंद्र राठिया, निलांबर राठिया एवं मनबारी राठिया। उरगा मंडल के लिए मुख्य चुनाव अधिकारी-आकाश सक्सेना, सहयोगी- कुलसिंह कंवर, किशन साव, संतोष साहू एवं प्रतिमा सोनवानी। कोसाबाड़ी मंडल के लिए मुख्य चुनाव अधिकारी-पवन गर्ग, सहयोगी- अजय विश्वकर्मा, लक्ष्मी श्रीवास एवं मंजू सिंह। बालको मंडल के लिए मुख्य चुनाव अधिकारी-सतीश झा, सहयोगी- शिव बालक तोमर, राजकुमार अग्येय, अर्चना रूनिझा। दर्री मंडल के लिए मुख्य चुनाव अधिकारी- संतोष देवांगन, सहयोगी- ईश्वर प्रसाद साहू, राजकुमार जायसवाल एवं राधा महंत। कोरबा मंडल के लिए मुख्य चुनाव अधिकारी-आरिफ खान, सहयोगी-परविंदर सिंह, रामशंकर साहू एवं दीपा राठौर। पसान मंडल के लिए मुख्य चुनाव अधिकारी-अजय जायसवाल, सहयोगी-पवन पोया, प्रताप मरावी, संगीता केशरवानी। पोड़ी उपरोड़ा मंडल के लिए मुख्य चुनाव अधिकारी- देवी सिंह टेकाम, सहयोगी-रघुनंदन जायसवाल, शिवशंकर उईके, लीलार गोस्वामी, श्रीमती किरण मरकाम। चोटिया मंडल के लिए मुख्य चुनाव अधिकारी-संजय शर्मा, सहयोगी-रवि कुमार मरकाम, प्रहलाद बिंझवार, श्रीमती कमला पेन्द्रो। पाली मंडल के लिए मुख्य चुनाव अधिकारी-ज्योतिनंद दुबे, सहयोगी- रोशन सिंह, उमेश चंद्रा, मुकेश कौशिक, संजू जायसवाल। चैतमा मंडल के लिए मुख्य चुनाव अधिकारी-नारायण ठाकुर, सहयोगी-कृष्णा यादव, सुकालू प्रजापति, ब्रिजेश यादव, चंद्रमति यादव। कटघोरा मंडल के लिए मुख्य चुनाव अधिकारी- जोगेश लांबा, सहयोगी- धन्नू दुबे, समजीत सिंह, ललीता डिक्सेना। बांकीमोंगरा मंडल के लिए मुख्य चुनाव अधिकारी-अशोक चावलानी, सहयोगी-मनीष मिश्रा, अजीत कैवर्त, वरिन्दरजीत कौर। हरदीबाजार मंडल के लिए मुख्य चुनाव अधिकारी- राजेंद्र पाण्डेय, सहयोगी- हरिश थरवानी, दुष्यंत शर्मा, नवरतन सिंह, ज्योति पाण्डेय। भिलाई बाजार मंडल के लिए मुख्य चुनाव अधिकारी- सतविन्दर सिंह बग्गा, सहयोगी-विनोद यादव, दिनेश राठौर, चुलेश्वर राठौर, श्रीमती विजय लक्ष्मी राठौर। दीपका मंडल के लिए मुख्य चुनाव अधिकारी- प्रफूल्ल तिवारी, सहयोगी- सूर्य प्रकाश शर्मा, द्वारिका शर्मा, रमेश गुरूद्वान, ज्योति तिवारी।

छ.ग. प्रांतीय अग्रवाल संगठन (सम्मेलन) के नवगठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह 8 नवम्बर को रायपुर में

कोरबा (दिव्य आकाश)।

छ.ग. प्रांतीय अग्रवाल संगठन (सम्मेलन) के नवगठित कार्यकारिणी का भव्य शपथ ग्रहण समारोह 8 नवम्बर 2024 दिन शुक्रवार को रायपुर के एस. एन. पैलेस मेक्र सम्पन्न होगा। उक्ताशय की जानकारी संगठन के नवनिर्वाचित प्रांतीय चेयरमेन एवं कोरबा के प्रसिद्व व्यवसायी एवं सामाजिक, धार्मिक कार्यकर्ता अशोक मोदी ने दी एवं बताया कि छ.ग. प्रांतीय अग्रवाल संगठन देश का एक ऐसा संगठन है, जिसके द्वारा किये जाने वाला सेवा कार्य (जैसे स्कूल, कालेज, पानी प्याऊ, वृद्वाश्रम, अनाथाश्रम, मंदिर, धर्मशाला का निर्माण इत्यादि) पूरे देश भर में प्रसिद्व है।

मोदी बताया कि इस संगठन का कार्यकाल 3 वर्षों के लिये होता है एवं संगठन ने इस वर्ष (सत्र 2024 -2027) के प्रांतीय चेयरमेन पद हेतु उन्हे एवं प्रांतीय अध्यक्ष पद हेतु रायपुर के डॉ. अशोक अग्रवाल को सर्वसम्मति से निर्वाचित किया है एवं वे इस महत्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी का निर्वहन पूर्ण इंमानदारी पूर्वक कर संगठन को ओर मजबूत करने का प्रयास करेगें एवं इस संगठन में समाज के प्रत्येक व्यक्ति को भी जोडने का प्रयास करेंगें।

उन्होने समाज के समस्त लोगों से आग्रह किया है कि 8 नवम्बर को होने वाले इस शपथ ग्रहण समारोह कार्यक्रम में अधिक से अधिक की संख्या में रायपुर पधारकर कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करें।

नारायण थलिया पंचतत्व में विलीन

कोरबा। श्रीराम औषधालय कोरबा के संचालक, मारवाड़ी ब्राह्मण विकास समिति के वरिष्ठ सदस्य एवं संरक्षक नारायण थलिया का 85 वर्ष की आयु में 05 नवंबर 2024 मंगलवार को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार दिनांक 05 अक्टूबर 2024 मंगलवार को मध्यान्ह 1 बजे मोतीसागरपारा स्थित मुक्तिधाम में किया गया। उनकी अंतिम यात्रा उनके निवास स्थान श्रीराम औषधालय से मोतीसागरपारा स्थित स्थानीय मुक्तिधाम के लिये निकली, जिसमें बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित हुए। वे अपने पीछे तीन पुत्रों एवं एक पुत्री सहित भरा पूरा परिवार छोड़ कर चले गये।

सुधा श्याम बनी सब इंस्पेक्टर,परिवारजनों ने मिठाई खिलाकर जश्न मना बधाई दी

पाली (दिव्य आकाश)।

ग्राम माखनपुर की सुधा श्याम सब इंस्पेक्टर के लिए चयनित हुई हैं। यहां बताना होगा लंबे इंतज़ार के बाद छत्तीसगढ़ पुलिस विभाग के एसआई परीक्षा परिणाम जारी किया गया। इसमें विकासखंड पाली के अंतर्गत ग्राम पंचायत माखनपुर की सुधा श्याम का सब इंस्पेक्टर में चयन हुआ है, जो कि माखनपुर के लिए बड़े ही गर्व की बात है। इस समय इनकी परिवार में खुशी और जश्न का माहौल बना है।

परिजनों ने सुधा श्याम को मिठाई खिलाकर जश्न मनाकर बधाई दी। परिजनों ने सुधा के चयन के लिए उनकी मेहनत, लगन को सराहा। संसाधनों की कमी से जूझ कर सुधा श्याम ने यह उपलब्धि हासिल की है। सुधा ने परिवार के साथ माखनपुर का नाम रोशन किया, यह बड़े ही हर्ष की बात है। उन्होंने बताया कि सुधा श्याम कक्षा पांचवी में पढ़ रही थी, तब से उनके पिता का स्वर्गवास हो गया। इस दुखद घड़ी में सफलता पाने के लिए बहुत मेहनत की और उसकी मेहनत भी रंग लाई है। भले ही थोड़ा समय लगा, लेकिन सुधा श्याम की मेहनत आज पूरे ग्रामवासियों सहित जिले वासियों के समक्ष उभर कर सामने आई है। इसका श्रेय सुधा श्याम ने परिजनों को दी। उनके दादा मोहरसिंह श्याम,पिता स्व. जवाहर सिंह श्याम अधिवक्ता, माता दीप श्याम, चाचा चंदरलाल श्याम, चाची पुष्पा श्याम, चाचा राम श्याम, चाची जयकुमारी श्याम, चाचा लक्ष्मण श्याम, चाची पुष्पा श्याम, भाई सुधीर श्याम,गरिमा श्याम, मुकेश श्याम, उमेश, साक्षी, अभिनय, आयंस, अभय, परिधि, प्रणव, नाना उदय सिंह टेकाम, गोगपा मातृशक्ति प्रकोष्ठ जिला उपाध्यक्ष मौसी कांति देवी आदि ने सुधा के एसआई बनने पर जश्न मनाया।

रायपुर दक्षिण उपचुनाव : जयसिंह अग्रवाल भी स्टार प्रचारकों में शामिल

कोरबा (दिव्य आकाश)। रायपुर दक्षिण उपचुनाव को लेकर कांग्रेस ने स्टार प्रचारको की सूची जारी की है। सूची में प्रदेश के बड़े नेताओं के नाम शामिल हैं, जिसमें सचिन पायलट, भूपेश बघेल, टी एस सिंहदेव, दीपक बैज, राज्यसभा सांसद रंजीत रंजन, फुलोदेवी नेताम, सांसद ज्योत्सना महंत, रविन्द्र चौबे, शिव डहरिया, मोहम्मद अबकर, सत्यनरायण शर्मा, धनेन्द्र साहू के साथ पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल के नाम शामिल हैं। सूची में कुल 40 स्टार प्रचारक अपने-अपने ब्लॉक में चुनाव प्रचार में उतरेंगे। जयसिंह अग्रवाल को झारखंड विधानसभा चुनाव में चतरा लोकसभा के पांच विधानसभा क्षेत्र के लिए पर्यवेक्षक बनाया गया है, जिसके लिए श्री अग्रवाल अभी झारखंड के दौरे पर है। वहां से लौटने के बाद श्री अग्रवाल रायपुर में प्रचार के लिए जायेंगे।

समस्त प्रदेशवासियों को छठ पर्व की हार्दिक बधाई...

रथ पे होकर सवार, सूर्य देव आएं आपके द्वार,
सुख संपत्ति मिले आपको अपार...

जय छठी मईय्या

भगवान भुवन भास्कर
का सत्व प्रकाश आप सभी के जीवन को आलोकित करता रहे और सबके जीवन में स्वास्थ्य एवं धन धान्य से समृद्धि आए...

भुवन भास्कर का करें वंदन
मन में हो श्रद्धा, स्नेह और अभिनंदन...

अरविंद शर्मा

अध्यक्ष - भूमिहार ब्राह्मण समाज
सचिव - कोरबा पूर्वांचल सर्व समाज विकास समिति
पूर्व सचिव - लायंस क्लब ऑफ कोरबा

प्रकृति पूजा को समर्पित है छठ पूजा

सूर्यदेव की उपासना से मिलता है संतान सुखः हर मनोकामना होती है पूर्ण

छठ पूजा प्रकृति को समर्पित पर्व है, जिसमें सूर्यदेव और छठी मैया की पूजा होती है। यह पर्व चार दिनों तक चलता है जिसका आरंभ चतुर्थी तिथि से हो जाता है और समापन सप्तमी तिथि पर होता है। छठ पर्व पर व्रती कमर तक जल में प्रवेश कर सूर्यदेव को अर्घ्य देते है।

छठ महापर्व षष्ठी तिथि को मनाया जाने वाला पर्व है, जो बेहद कठिन है। यह पर्व नियम संयम और तपस्या का पर्व है, जो चारों दिनों तक चलता है, लेकिन इसकी तैयारी हफ्ते पहले से ही शुरू हो जाती है। आपको बता दें कि, छठ पर्व मूल रूप से बिहार और पूर्वांचल से शुरू हुआ माना जाता है। लेकिन अब यह भारत के अलग अलग राज्यों में और विदेशों में भी मनाया जाने लगा है और बिहार और पूर्वांचलवासी ही नहीं अन्य क्षेत्रों में रहन वाले लोग भी अब छठ पर्व के प्रति आस्थावान होकर छठ व्रत करने लगे हैं।

छठ पर्व और छठ मैया की मान्यता

छठ पर्व मुख्य रूप कार्तिक शुक्ल षष्ठी तिथि को मनाते हैं लेकिन इसके अलावा चैत्र शुक्ल षष्ठी तिथि का छठ पर्व जिसे चैती छठ कहते हैं यह भी काफी प्रचलित है। इस तरह दो छठ व्रत विशेष रूप से महत्व है। दोनों ही छठ पर्व भगवान सूर्य को और षष्ठी माता को समर्पित है। इसलिए छठ पर्व में भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है और छठ मैया की पूजा कथा की जाती है।

छठ पूजा की मान्यता

छठ मैया के बारे में कथा है कि यह ब्रह्माजी की मानस पुत्री हैं और सूर्यदेव की बहन हैं। छठ मैया को संतान की रक्षा करने वाली और संतान सुख देने वाली देवी के रूप में शास्त्रों में बताया गया है जबकि सूर्यदेव अन्न और संपन्नता के देवता है। इसलिए जब रवि और खरीफ की फसल कटकर आ जाती है तो छठ का पर्व सूर्य देव का आभार प्रकट करने के लिए चैत्र और कार्तिक के महीने में किया जाता है।

छठ पर्व के चार दिनों का खास महत्व

छठ पर्व मुख्य रूप से षष्ठी तिथि को किया जाता है। लेकिन इसका आरंभ नहाय खाय से हो जाता है यानी छठ पर्व शुरुआत में पहले दिन व्रती नदियों में स्नान करके भात,कद्दू की सब्जी और सरसों का साग एक समय खाती है। दूसरे दिन खरना किया जाता है जिसमें शाम के समय व्रती गुड़ की खीर बनाकर छठ मैय्या को भोग लगाती हैं और पूरा परिवार इस प्रसाद को खाता है। तीसरे दिन छठ का पर्व मनाया जाता है जिसमें अस्त होते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है और चौथे दिन सप्तमी तिथि को उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर छठ पर्व को समापन किया जाता है।

छठ पूजा की तिथियाँ

नहाय खाय (5 नवंबर 2024)- छठ पूजा के पहले दिन, श्रद्धालु नदी या तालाब में स्नान करते हैं और केवल शुद्ध और सात्विक भोजन ग्रहण करते हैं।

खरना (6 नवंबर 2024)- दूसरे दिन, व्रती दिन भर निर्जला उपवास रखते हैं। शाम को पूजा के बाद प्रसाद के रूप में खीर, रोटी और फल खाए जाते हैं।

संध्या अर्घ्य (7 नवंबर 2024)- तीसरे दिन, व्रती सूर्यास्त के समय नदी या तालाब के किनारे जाकर सूर्य देव को अर्घ्य देते हैं। यह छठ पूजा का सबसे महत्वपूर्ण दिन होता है।

प्रात:कालीन अर्घ्य (8 नवंबर 2024)- चौथे दिन, उगते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है, जिसके बाद व्रती अपना

व्रत तोड़ते हैं और प्रसाद वितरण करते हैं।

छठ पूजा की महिमा

छठ पूजा को सबसे कठिन व्रतों में से एक माना जाता है, क्योंकि इस दौरान श्रद्धालुओं को कठोर नियमों का पालन करना पड़ता है। यह व्रत परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की दीर्घायु और रोगमुक्त जीवन के लिए किया जाता है। इस त्योहार के दौरान सूर्य की आराधना से हमें ऊर्जा और शक्ति मिलती है, जो जीवन में सकारात्मकता का संचार करती है।

छठ पूजा का प्रसाद

छठ पूजा के दौरान प्रसाद के रूप में ठेकुआ, मालपुआ, चावल के लड्डू, फलों और नारियल का प्रयोग किया जाता है। ये सभी प्रसाद शुद्ध सामग्री से बनाए जाते हैं और सूर्य देवता को अर्पित किए जाते हैं।

छठ पूजा के पारंपरिक गीत

कांच ही बांस के बहंगिया, बहंगी लचकत जाये...
कांच ही बांस के बहंगिया, बहंगी लचकत जाये
बहंगी लचकत जाये, हमार सुगवा धनुष भइलन
सुगवा धनुष भइलन, अस मनवा काहे डोले
कांच ही बांस के बहंगिया, बहंगी लचकत जाये।

उग हो सूरज देव, भइल अर्घ के बेर...
उग हो सूरज देव, भइल अर्घ के बेर
बहंगी के पिटारा, सजल डोलिया
उग हो सूरज देव, भइल अर्घ के बेर।

केलवा के पात पर उगेलन सूरज देव...
केलवा के पात पर उगेलन सूरज देव
मोरा मनवा में आनंद भईल
उगेलन सूरज देव।

पटना के घाट पर, भोर के बेला...
पटना के घाट पर, भोर के बेला
उग हो सूरज देव, छठी मैया की महिमा।

हे छठी मैया, हम बानी तोहार पुजारी...
हे छठी मैया, हम बानी तोहार पुजारी
अर्घ के दिनवा हम तोहके देहब
हे छठी मैया, हम बानी तोहार पुजारी।

छठ पूजा के आधुनिक गीत

पार करो हे गंगा मइया...
पार करो हे गंगा मइया, हमके पार करो
उगेला सुरज देव, हे माई, हमके तार दियो।

छठी मईया आओ, अर्घ ले लो...
छठी मईया आओ, अर्घ ले लो
हमार विनती सुन लो, हे मैया, जीवन धन्य करो।

सूरज देव जी हे, आशीष दीजिये...
सूरज देव जी हे, आशीष दीजिये
भक्त जनों का जीवन सुखमय कर दीजिये। एजेंसी

सुबह उठते ही शरीर में हो रही जकड़न और दर्द तो पेनकिलर नहीं ये नुस्खा आजमाएं

बदलते मौसम में इन दिनों बॉडी पेन यानि बदन दर्द की समस्या बहुत से लोगों को हो रही है। सबुह उठते ही शरीर में अलग सी जकड़न और दर्द महसूस हो रहा है। हालांकि बॉडी पेन को लोग सामान्य परेशानी ही समझते हैं लेकिन शरीर में दर्द होने के कई कारण हो सकते हैं। जैसे विटामिन्स की कमी, ज्यादा स्ट्रैस, बदलते मौसम के चलत शरीर में दर्द होना। कभी-कभार ऐसा हो तो घबराने की बात नहीं रहती क्योंकि यह अपने आप सही हो जाता है लेकिन अगर दर्द लगातार और तेज हो रहा हो तो ज्यादातर लोग पेन किलर्स का सहारा लेते हैं लेकिन हर बार पेन किलर्स खाना सही नहीं, कुछ घरेलू नुस्खों को दर्द से राहत पाने के लिए आजमाया जा सकता है लेकिन कोई भी नुस्खा फॉलो करने से पहले यह पता होना भी जरूरी है कि शरीर में दर्द हो क्यों रहा है।

बदलते मौसम के कारणः

मौसम में बदलाव होने के चलते भी शरीर में दर्द होता है। गर्मी से सर्दी का मौसम शुरू हो रहा है और बदलता मौसम कोल्ड-कफ, गले में खराश के चलते भी पूरी बॉडी में जकड़न व दर्द महसूस होती है। कई लोगों को वायरल फीवर हो रहा है। वायरल फीवर भी शरीर को जकड़न और दर्द देता है।

विटामिन डी की कमीः

शरीर में विटामिन डी की कमी होने से कैल्शियम लेवल कम हो जाता है। कैल्शियम और विटामिन डी बहुत जरूरी है। मांसपेशियों, हड्डियों और किडनी के ठीक से काम करने में यह बहुत सहायक होते हैं। हड्डियों को मजबूत बनाए रखने के लिए कैल्शियम बहुत जरूरी है और कैल्शियम तब तक अब्सॉर्ब नहीं होगा जब तक विटामिन डी की कमी रहेगी इसके चलते भी सुबह उठते ही हड्डियों में शरीर और हड्डियों में दर्द हो सकता है।

एनीमियाः

एनीमिया की समस्या से भी शरीर थका-थका और कमजोर महसूस होता है। ऐसा तब होता है जब शरीर में रेड ब्लड सेल्स की कमी हो जाती है। शरीर के कई अंगों को आक्सीजन नहीं मिल पाती इसलिए सुबह सोकर उठने के बाद भी आपका शरीर थका हुआ रहता है और आपको लगातार दर्द होता है। एनीमिया के सामान्य लक्षण हैं, जैसे- थकावट, दिल की धड़कन का बढ़ना, चक्कर आना, सिर या सीने में दर्द, हाथ पैर का ठंडे पड़ना।

वजन ज्यादा होनाः

ज्यादा वजन होने से भी पीठ और गर्दन पर दबाव पड़ता है, जिससे बॉडी के इन अंगों में दर्द होता है। मोटापे के चलते नींद में सांस से जुड़ी बीमारियां भी हो सकती है, जिसके चलते शरीर में दर्द और जकड़न हो सकती है।

खराब क्वालिटी के गद्देः

स्लीप फ़ाउंडेशन के अनुसार, खराब क़्वालिटी वाले गद्दे पर सोने से भी शरीर में दर्द और अकड़न की समस्या पैदा हो सकती है। यह भी बॉडी पेन होने के प्रमुख लक्षणों में से एक है।

सोने का गलत तरीकाः

सोने का गलत तरीके की वजह से भी आपके शरीर में दर्द हो सकता है। सामान्य तौर पर, ज्यादातर लोगों के लिए करवट लेकर सोना सबसे अच्छा होता है, खासकर उन लोगों के लिए जो नींद में सांस लेने की बीमारी जैसे ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एप्निया से पीड़ित होते हैं।

जांघ में दर्द के कारणः

हड्डियों, मांसपेशियों या नसों से जुड़ी समस्या

होने पर भी जांघों में दर्द होता है। शरीर में पानी की कमी, पोटैशयिम, कैल्शियम, सोडियम आदि की कमी होने के कारण जांघ में दर्द हो

सकता है हड्डी में फ्रैक्चर हो जाने के कारण जांघ में दर्द हो सकता है।

शरीर दर्द के लिए आप कई तरह के घरेलू उपचार कर सकते हैं जिसकी मदद से आप बदन दर्द से राहत पा सकते हैं।

हल्दी वाला दूध :

एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट्स गुणों से भरपूर हल्दी शरीर दर्द दूर करने का सबसे बेस्ट उपचार है। इससे दर्द के साथ सूजन दूर करने में भी मदद मिलेगी। यह कई तरह की इंफेक्शन से भी बचाव करता है। रात को सोने से पहले आधा चम्मच हल्दी एक गिलास दूध में डालकर पीएं।

अदरकः

अदरक भी शरीर के दर्द से आराम दिलाता है। इसमें पाए जाने वाले एंटी-इंफ्लेमेटरी और एनाल्जेसिक गुण शरीर के दर्द को दूर करने में मदद करते हैं। एक गिलास पानी में 2 इंच अदरक का टुकड़ा डालें। इसे कुछ मिनट तक उबालें और फिर छान लें। उसके बाद इसका सेवन करें। इससे आपको बॉडी पेन से काफी राहत मिलेगी। आप अदरक वाली चाय भी पी सकते हैं।

दालचीनी :

दालचीनी में भी एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं जो दर्द से तुरंत राहत दिलाने में मदद करते हैं। एक गिलास दूध में थोड़ी सी दालचीनी और एक चम्मच शहद को मिलाकर पीएं।। रात को सोने से पहले इसका सेवन करें लेकिन दालचीनी की तासीर काफी गर्म होती हैं इसलिए चिकित्सक परामर्श के अनुसार ही सेवन करें।

तेल की मालिश करें :

बदन दर्द से राहत पाने का एक अच्छा तरीका मालिश करना भी है। इससे ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और मांसपेशियों का दर्द दूर होता है। मालिश के लिए आप सरसों के तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं। सरसों के तेल में 2-4 लहसुन की कलियां और अजवाइन डालकर उबाल लें। फिर तेल को ठंडा करके इससे पूरे शरीर की मालिश करें। ऐसा करने से आपको दर्द से जल्द राहत मिलेगी।

सेब का सिरका :

बदन का दर्द दूर करने के लिए आप सेब का सिरका भी इस्तेमाल कर सकते हैं। सिरके में एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-माइक्रोबियल गुण शरीर के दर्द और सूजन को दूर करने में मदद कर सकते हैं। एक बाल्टी गुनगुने पानी में एक बड़ा चम्मच सेब का सिरका डालें। इस पानी से नहाएं आपको आराम मिलेगा।

इन बातों का भी रखें ख्यालः

भरपूर पानी पीएं। पर्याप्त नींद लें। हैल्दी डाइट लें। अगर शरीर में कैल्शियम-पोटाशियम, आयरन या अन्य किसी तत्व की कमी से बॉडी पेन हो रही है तो डॉक्टरी परामर्श से इलाज करें। एजेंसी।

पहली बार केदारनाथ-बद्रीनाथ धाम पहुंची नुसरत भरूचा, माथे पर तिलक, गले में फूलों के हार..बाबा की भक्ति में रंगी दिखीं एक्ट्रेस एक्ट्रेस नुसरत भरूचा पिछले कुछ दिनों से काफी सुर्खियों में हैं।

50 प्लस महिलाएं तब्बू के लुक्स से लें इंस्पिरेशन

बेहतर स्वास्थ्य के लिए नाश्ते में बेहतर विकल्प चुनें

नाश्ता हर इंसान के लिए एक जरूरी भोजन है, जो दिन की शुरुआत में ऊर्जा और पोषण प्रदान करता है। एक अच्छा नाश्ता न केवल शरीर को ऊर्जा देता है, बल्कि मूड को भी सेट करता है। सुबह के समय शरीर को आवश्यक पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है और नाश्ता इस जरूरत को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

मीठे नाश्ते के फायदे और नुकसान

मीठे नाश्ते में आमतौर पर चीनी से बनी चीजें होती हैं, जैसे अनाज, शहद, पैनकेक, फल और मिठाई। मीठा खाना शरीर को तात्कालिक ऊर्जा प्रदान करता है, क्योंकि इसमें कार्बोहाइड्रेट की अधिकता होती है। जब हम मीठा खाते हैं, तो ग्लूकोज हमारे रक्त में जल्दी अवशोषित हो जाता है, जिससे तुरंत ऊर्जा मिलती है। हालांकि, मीठे नाश्ते के कुछ नुकसान भी हैं। सुबह-सुबह मीठा खाने से शरीर में ब्लड शुगर का स्तर बढ़ सकता है, जिससे थकान महसूस हो सकती है। इसके अलावा, मीठे नाश्ते से मोटापा और टाइप-2 डायबिटीज का खतरा भी बढ़ सकता है। अक्सर मीठे नाश्ते में प्रोसेस्ड चीनी का इस्तेमाल होता है, जिसमें विटामिन और मिनरल्स की कमी होती है।

नमकीन नाश्ते के फायदे

नमकीन नाश्ते में प्रोटीन, फाइबर और कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट की अधिकता होती है, जैसे पोहा, उपमा, इडली, चिल्ला और अंडा सैंडविच। नमकीन नाश्ता धीरे-धीरे डाइजेस्ट होता है और लंबे समय तक ऊर्जा प्रदान करता है। एजेंसी

र्‍यूमीकैप (RHEUMICAP)

र्‍यूमीकैप वात सम्बन्धित रोग जैसे शूल, आमवात, सन्धिवात, कटिग्रह, गृध्रसी में अचूक औषधि है, र्‍यूमीकैप कुचला, इन्द्रायान, मूल गुड़ूची, रसौल, लहसुन, कुलिंजन बीज, शु. गुग्गुल, रास्नापत्र, इन्द्रजौ और अमलताश आदि औषधियों का मिश्रण है। इस औषधि का प्रधान कार्य वातवाहिनी नाड़ियों पर होता है। जब वायु कुपित हो भयंकर वेदना उत्पन्न करती है तब यह कैप्सूल विशेष प्रभावकारी होता है।

Bharat Ayurvedic Works, Mob.: 9897489900

आयुर्वेदिक चिकित्सा परामर्श

गाठिया, जोड़ों का दर्द, साईटिका, श्वास, दमा, खांसी पुराना नजला, गैस, खाज, खुजली, शुगर, बवासीर, पथरी, लिकोरियो मर्दो व औरतों के गुप्त रोगों के निराश रोगी ईलाज के लिए मिलें।

पतंजलि श्रीश्री बैद्यनाथ Dabur ZANDU

डॉ. वाय. भारद्वाज (एम.डी.) (एन.एम.)

शराब छुड़ाने की हर्बल दवा उपलब्ध

सभी कंपनियों के आयुर्वेदिक दवाईयों के थोक एवं चिल्हर विक्रेता

एक कदम आयुर्वेद की ओर ... स्वस्थ रहो अभियान...

शिव हर्बल आयुर्वेदिक एण्ड कॉस्मेटिक

शॉप नं. 07 अल्का काम्प्लेक्स, टी.पी. नगर, कोरबा (छ.ग.) मो.: 9302358945